राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार,22 अक्टूबर-2021 वर्ष-4,अंक-271 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कराई पुलिस अकादमी में पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद पुलिसकर्मियों को किया नमन

क्रांति समय ,सूरत

अहमदाबाद,मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने स्पष्ट रूप से कहा कि राष्ट्र और राज्य की रक्षा के लिए सदैव मुस्तैद रहने वाले पुलिस व सुरक्षा बल के जवानों ने 'राष्ट्रहित सर्वप्रथम' की कर्तव्य भावना को सच्चे अर्थ में उजागर किया है। ड्यूटी के दौरान अपना कर्तव्य निभाते हुए वीरगति को प्राप्त हुए पुलिसकर्मियों को श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए 'पुलिस स्मृति दिवस' के अवसर पर कराई स्थित गुजरात पुलिस अकादमी में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास के मूल में पुलिस बल की कर्तव्यपरायणता और जनता के जान-माल की सुरक्षा की प्रतिबद्धता निहित है। अनेक कर्तव्यनिष्ठ पुलिसकर्मी अपनी जान की परवाह और घर-परिवार की चिंता किए बिना देश या राज्य के लिए बलिदान देकर अमर हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे वीरगति को प्राप्त पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि या शहीदकर्मियों के परिवारों को सांत्वना देने के लिए कोई शब्द ही नहीं हैं, ऐसा वीरता से भरा उनका कर्तव्य है। पटेल ने कहा कि राज्य या देश में असामाजिक तत्वों, जनता को परेशान करने वाले आपराधिक लोग सिर न उठा सकें, निर्दोष लोगों को कोई तकलीफ न हो उसके लिए दिन-रात ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल बाहरी तत्वों के खिलाफ सफलतापूर्वक मुकाबला करने का साहस दिखाता है। इतना ही नहीं, कोरोना जैसी विश्वव्यापी महामारी के दौरान भी पुलिस बल के जवानों ने कोरोना वॉरियर्स के रूप में सेवाएं दी हैं। इस महामारी में जब लोग अपने प्रभावित स्वजनों की भी सेवा करने या मदद के लिए जाने से डरते थे, तब पुलिसकर्मियों ने फ्रंटलाइन वर्कर्स बनकर सेवादायित्व निभाया है। कोरोना वायरस के संक्रमण से संक्रमित होकर अपनी जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों को भी मुख्यमंत्री ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन पुलिस परिवारों ने अपने स्वजनों को खोया है, उनके दुख में सहभागी बनकर मुश्किल वक्त में राज्य सरकार उनके साथ खड़ी है।

गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने २१ अक्टूबर को मनाए जा रहे पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर गुजरात सहित देशभर के शहीद पुलिस जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि देश और समाज की सुरक्षा के लिए पुलिस जवानों की शहादत को मौजूदा और आने वाली पीढ़ी हमेशा याद रखेगी। पुलिस की खाकी वर्दी केवल कपड़े का टुकड़ा ही नहीं बल्कि शक्ति का प्रतीक है। कोरोना काल में लगातार २४ घंटे कर्तव्य अदा कर और अपनी जान जोखिम में डाल लोगों के साथ खड़े रहकर पुलिस ने सच्चे अर्थ में कोरोना वॉरियर्स की भूमिका निभाई है, जो प्रशंसनीय और वंदनीय है। उन्होंने शहीदों को नमन करते हुए कहा कि देश में पुलिस सिर्फ कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ही नहीं बल्कि अनाथ बच्चों और बुजुर्गों का सहारा बनकर भी सेवा करती है। गुजरात पुलिस की नई पहल- 'शी' टीम बेटियों की सुरक्षा और मदद के लिए हमेशा तत्पर रहती है। संघवी ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले गुजरात पुलिस के १४९ जवानों में से १२१ जवानों के परिवारों को राज्य सरकार की ओर से आर्थिक सहायता दी जा चुकी है। गृह राज्य मंत्री ने जान गंवाने वाले कोरोना वॉरियर्स के परिवारों को हर संभव मदद का आश्वासन देते हुए कहा कि शेष जवानों के परिवारों को भी शीघ्र ही सहायता प्रदान करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री और गृह राज्य मंत्री ने इस अवसर पर वीरगति को प्राप्त हुए पुलिसकर्मियों के परिवारजनों से रूबरू मिलकर सांत्वना दी और उनकी कुशलक्षेम पूछी। उन्होंने वर्ष के दौरान पूरे देश में ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले ३७७ पुलिसकर्मियों को प्रतीक के रूप में पुष्पांजलि अर्पित कर कृतज्ञता व्यक्त की। समारोह में पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक और कई अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर दिवंगत पुलिस जवानों की स्मृति में सलामी देकर दो मिनट का मौन रखा गया। पुलिस स्मृति दिवस पर मुख्यमंत्री सहित उपस्थित महानुभावों ने शहीद पुलिस जवानों के परिवारजनों के लिए उदार हाथों से योगदान दिया।

राष्ट्रहित सर्वप्रथम की कर्तव्य भावना को सच्चे अर्थ में उजागर करते हैं पुलिस व सुरक्षा बल: मुख्यमंत्री

National Webinar

Right To Information Act 2005

सुबह 11:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक

समस्या आपकी हल विशेषज्ञों के

आरटीआई में सूचना नहीं देने वाले या जानबुझकर अधूरी मिथ्या भ्रमित करने वाली जानकारी देने वालों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करने का भी प्रावधान हैं।

लोक सूचना अधिकारी द्वारा कोई जवाब नहीं देना धारा-7(2) आरटीआई एक्ट का उल्लंघन है।

1-लोक सूचना अधिकारी द्वारा आरटीआई एक्ट की धारा-7(8) का उल्लंघन पर भारतीय दंड संहिता की धारा 166ए और 167 के तहत एफ आई आर होगी।

2- लोक सूचना अधिकारी द्वारा झूठी जानकारी देना जिसका प्रमाण आवेदक के पास मौजूद है उस स्थिति में भारतीय दंड संहिता की धारा 166ए, 167, 420, 468 और 471 के तहत एफआईआर दर्ज होगी।

3- प्रथम अपीलीय अधिकारी द्वारा निर्णय नहीं किये जाने की स्थिति में भारतीय दंड संहिता की धारा 166ए, 188 के तहत एफ आई आर दर्ज कराई जा सकती है।

4- प्रथम अपीलीय अधिकारी के समक्ष लोक सूचना अधिकारी द्वारा सुनवाई के बाद सम्यक सूचना के भी गैरहाजिर रहने की स्थिति में भारतीय दंड संहिता की धारा 175, 176, 188, और 420 के तहत एफ आई आर दर्ज करवाई जा सकती है।

5- प्रथम अपीलीय अधिकारी द्वारा निर्णय करने के बाद भी सूचनाएं नहीं देने की स्थिति में भारतीय दंड संहिता की धारा 188 और 420 के तहत एफ आई आर दर्ज हो सकती है।

6- लोक सूचना अधिकारी अथवा प्रथम अपीलीय अधिकारी द्वारा आवेदक को धमकाने की स्थिति में आईपीसी की धारा 506 के तहत एफ आई आर दर्ज करने का प्रावधान है।

सचिन से दुष्कर्म मामले में 10 दिन के अंदर चार्जशीट दाखिल

क्रांति समय ,सूरत

सचिन ने जीआईडीसी में रहने वाली ४ साल की बच्ची को अगवा कर ३ बच्चों के पिता ने उसके साथ दुष्कर्म किया। मामले में पुलिस ने 10 दिन के भीतर गुरुवार को कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की. 20 दिसंबर को पांडेसरा में दुष्कर्म के एक मामले में आरोपी की गिरफ्तारी के 13 दिन बाद पुलिस ने आरोपपत्र दाखिल किया था। इसके अलावा 250 पन्नों की चार्जशीट में सचिन जीआईडीसी पुलिस के पास 60 गवाह हैं। पुलिस ने मामले में फोरेंसिक साक्ष्य प्राप्त करने के लिए वरिष्ठ एफएसएल अधिकारियों के साथ भी समन्वय किया। जिससे सारी रिपोर्ट गांधीनगर और सूरत एफएसएल से आई। घटना के वक्त पुलिस ने पहले अपहरण का मामला दर्ज किया था। लड़की बाद में सचिन रामेश्वर कॉलोनी के पास एक औद्योगिक पार्क की दीवार के पास बारिश में घायल पाई गई थी।

बच्ची की गर्दन और प्राइवेट पार्ट में चोट के निशान थे। जिसके आधार पर पता चला कि पुलिस ने मेडिकल जांच के दौरान बच्ची की गला दबाकर हत्या करने की कोशिश की थी. इतना ही नहीं नरधाम ने बच्ची के साथ दुष्कर्म भी किया। आरोपित अजय उर्फ हनुमान निषाद (31) को दुष्कर्म, चेचक, हत्या के प्रयास सहित अपहरण सहित गंभीर आरोप के अलावा 13 तारीख को गिरफ्तार किया गया था। 12 अक्टूबर की सुबह 9:30 बजे 4 साल की बच्ची दो बच्चों के साथ खेलते हुए बच्चों को लेकर घर से भाग गई. एक चाचा लड़की को ले गया, दोनों बच्चों ने कहा। दोपहर तक मां ने बच्चे की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

दोपहर करीब डेढ़ बजे मां सचिन जीआईडीसी थाने आई। पुलिस ने घटना को गंभीरता से लेते हुए जिस इलाके में बच्ची का अपहरण किया था, वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। जिसमें एक शख्स बच्चे को गोद में लिए नजर आ रहा है. लड़की की तलाश के लिए पुलिस की 10 टीमें गठित की गईं। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे को खंगाला तो देर शाम झाड़ियों में बच्ची घायल मिली। आरोपी के हाव-भाव से मेल खाता था। आरोपी मजदूरी का काम करता है और 3 बच्चों का पिता है। आरोपी लड़की को सीसीटीवी कैमरे में कैद कर लेता है। जिसके आधार पर इस मामले में फोरेंसिक गेट विश्लेषण भी आरोपी की चाल और हाव-भाव से मेल खाता था।

गुजरात से राज्यपाल से मिले सिंगापुर के मुंबई स्थित महावाणिज्य दूत

क्रांति समय ,सूरत

गांधीनगर,मुंबई स्थित सिंगापुर के महावाणिज्य दूत चेओंग मिंग कूंग ने गुरुवार को गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत से राजभवन में मुलाकात की। उन्होंने भारत और सिंगापुर के बीच द्विपक्षीय संबंधों को महत्वपूर्ण करार दिया और गुजरात के सर्वांगीण विकास पर प्रशन्नता जताई। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने चेओंग मिंग कूंग को स्मृति चिह्न भेंट कर उनका अभिवादन किया।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

तबाही के सबक

अभी केरल में अतिवृष्टि से तबाही की चर्चा खत्म भी नहीं हुई थी कि उत्तराखंड में जल प्रलय जैसी स्थितियों ने भय का वातावरण बना दिया है। भारी बारिश से बाढ़, भूस्खलन, नदी-नालों में उफान और उससे होने वाली मानवीय क्षति रोंगटे खड़े करने वाली है। कुदरत के कहर से मानवीय क्षति और अरबों की संपत्ति का नुकसान हमें सोचने को विवश कर रहा है कि कुदरत यदि नाराज है तो उसकी नाराजगी को कैसे दूर किया जाये। उत्तराखंड खासकर इसके कुमाऊं क्षेत्र में तबाही का भयावह मंजर उभरा। बताते हैं कि यहां 124 साल की बारिश का रिकॉर्ड टूटा है। यह बात चौंकाने वाली है कि चौमासे के बाद ऐसी बारिश का कहर क्यों बरपा। कई दशकों से जिस ग्लोबल वार्मिंग की बात हो रही थी और जिसकी मार फ्रांस व जर्मनी जैसे देशों ने इस बार झेली, वैसी ही दस्तक भारत में भी महसूस की जा रही है। मौसम विज्ञानी बता रहे हैं कि बंगाल की खाड़ी से उठने वाली नम हवाओं को पश्चिम विक्षोभ द्वारा पूर्व की ओर आकर रोक देने से अतिवृष्टि हुई, जिससे कुमाऊं मंडल में नैनीताल सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। यहां की चर्चित नैनी झील ओवरफ्लो हो गई, जिससे मल्लीताल में नैनादेवी मंदिर परिसर, मॉल रोड और तल्लीताल के बाजार में बाढ़ आ गई। घरों व व्यावसायिक संस्थानों में पानी भर गया। लगातार होती बारिश से लोग घरों में भी सहमे रहे। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद उत्तराखंड में चारधाम यात्रा रोक दी गई थी और बचाव दलों को सतर्क कर दिया गया था। लेकिन बारिश इतनी भयावह होगी, इसकी कल्पना नहीं थी। दरअसल मौसम परिवर्तन के चलते बारिश के ट्रेंड में बदलाव ये आया है कि बारिश कम समय के लिये होती है मगर उसकी तीव्रता ज्यादा होती है जो कि उत्तराखंड हिमालय के कच्चे पहाड़ों के लिये बेहद खतरनाक है। इससे भूस्खलन का खतरा बढ़ने से उसकी चपेट में घरों के आने से मानवीय क्षति बढ़ जाती है।

निस्संदेह, मौसम के मिजाज में तल्खी ने आपदाओं की तीव्रता बढ़ाई है। तभी हम मौसम की चेतावनी का संपूर्ण ज्ञान होने के बावजूद तबाही की तीव्रता को कम नहीं कर पाये हैं। हमें पिछली आपदाओं से सबक लेकर राहत व बचाव को चुस्त-दुरुस्त बनाना होगा ताकि मानवीय क्षति कम हो सके। निस्संदेह जब मौसम चक्र में बदलाव से जलवायु संकट वैश्विक स्तर पर उभर रहा है तो हमें पर्यावरण संरक्षण के उपायों को लेकर ईमानदार प्रयास करने होंगे। हमने पाया है कि उत्तराखंड व हिमाचल के इलाकों में बादल फटने की घटनाओं की पुनरावृत्ति बढ़ी है। वहीं मैदानी इलाकों में आकाशीय बिजली गिरने से होने वाली मौतों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। इन कुदरती घटनाओं से सबक लेकर बचाव-राहत के उपायों को तलाशना होगा। साथ ही वृक्षारोपण को बढ़ावा देकर पर्यावरण की सेहत सुधारने के भी प्रयास करने होंगे। जिस तेजी से दुनिया में ग्लेशियर पिघल रहे हैं, उससे समुद्र का जल स्तर बढ़ेगा और समुद्र तटीय इलाकों में भी बाढ़ का खतरा बढ़ जायेगा। प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता की एक वजह यह भी है कि मानवीय हस्तक्षेप ने संकट की उर्वरा भूमि तैयार कर दी है, जिसमें अदूरदर्शी निर्माण की भी बड़ी नकारात्मक भूमिका है। जल प्रवाह की राह में होने वाला निर्माण अतिवृष्टि पर निकासी की राह में बाधा बनता है, जिससे संपत्ति व मानवीय क्षति बढ़ जाती है। जिसमें पहाड़ों तथा नदियों में खनन व पेड़ों की कटाई की एक बड़ी भूमिका होती है। दरअसल, अतिवृष्टि पर पानी को निकासी का अपना मार्ग मिले तो वह मानवीय क्षेत्र में दखल नहीं देता, लेकिन अतिक्रमण ने स्थितियां जटिल बना दी हैं। निस्संदेह बचाव हेतु ठोस नीतियां बनाने की जरूरत है। संवेदनशील इलाकों में अविवेकपूर्ण निर्माण पर अंकुश लगाने की सख्त जरूरत है। यह प्रयास होने चाहिए कि कुदरत के बदलते मिजाज में केरल जैसे तटीय और उत्तराखंड जैसे संवेदनशील इलाकों में भवन-निर्माण संस्कृति कैसी हो। इसके लिये मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति की भी जरूरत है। हमें सोचना होगा कि मानव अस्तित्व के लिये प्रकृति के दोहन की सीमा क्या हो।

फंसे कर्ज का सामना

बैंकों का फंसा कर्ज यानी गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) चालू वित्त वर्ष में 8 से 9 प्रतिशत हो जाने का अनुमान है। ऐसा होता है, तो यह वित्त वर्ष 2017-18 के आंकड़े 11.2 प्रतिशत से काफी कम होगा। साख निर्धारित करने वाली एजेंसी क्रिसिल का कहना है कि कर्ज पुनर्गठन एवं आपातकालीन ऋण सुविधा गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) जैसे कोविड़-19 उपायों से बैंकों के सकल एनपीए को सीमित रखने में मदद मिलेगी। अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष 2021-22 के अंत तक करीब दो प्रतिशत बैंक ऋण का पुनर्गठन हो सकता है। ऐसे में सकल एनपीए और पुनर्गठन के तहत आने वाले कर्ज समेत दबाव वाली संपत्ति 10-11 प्रतिशत तक पहुंच जाने की संभावना है। किसिल की रिपोर्ट में कहा गया है कि खुदरा और एमएसएमई खंड़ों का कुल कर्ज में तकरीबन 40 प्रतिशत हिस्सा है। इन खंड़ों में एनपीए और दबाव वाली संपत्तियां अभी और बढ़ने की आशंका है। संभव है कि चालू वर्ष के अंत तक ये बढ़कर क्रमशः 4-5 और 17-18 प्रतिशत तक हो जाएं। हालांकि कॉरपोरेटक्षेत्र बनिस्बत मजबूत बना हुआ है क्योंकि पांच साल पहले ही संपत्ति गुणवत्ता समीक्षा के दौरान कंपनियों में दबाव वाली ज्यादातर संपत्तियों की पहचान हो चुकी थी। इससे कंपनियों के बहीखाते मजबूत हुए और वे खुदरा व एमएसएमई के बरक्स अच्छे से महामारी का मुकाबला कर पा रही हैं। बेहतर संचालन से उनका कारोबारी माहौल सुधर रहा है। इससे संपत्ति गुणवत्ता में सुधार होगा जिससे ऋण लागत कम होगी। फलस्वरूप उनकी लाभप्रदता बढ़ेगी। महामारी की शुरुआत के बाद संपत्ति गुणवत्ता में मामूली गिरावटग वह भी खुदरा ऋणों में ज्यादा रही, के बाद आर्थिक पुनरुद्धार गतिविधियां बढ़ रही हैं, जिससे ऋण वृद्धि में तेजी आने की संभावना है। मूड़ीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने भी अपनी रिपोर्ट-'बैंकिंग प्रणाली परिदृश्यः भारत' में कहा है कि आर्थिक गतिविधियों में तेजी से ऋण वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। यह वृद्धि सालाना 10-13 प्रतिशत रह सकती है। इस आकलन के मद्देनजर मूड़ीज ने भारतीय बैंकिंग प्रणाली के लिए परिदृश्य को 'नकारात्मक' से 'स्थिर' कर दिया है। समूचा परिदृश्य बैंकिंग क्षेत्र के लिए उत्साहजनक स्थिति की ओर संकेत करता है। इस बीच आकलन है कि अगले 12-18 महीनों में भारतीय अर्थव्यवस्था में उत्तरोत्तर सुधार होगा।

कटाक्ष/ सहीराम

भूख की बात

देखिए साहब, हंगर इंडेक्सवालों ने हमारे यहां के शुभ-अशुभ का तो खूब ख्याल रखा है। हमारे यहां एक सौ एक शुभ माना जाता है तो उन्होंने हमें बिना किसी हीले हवाले के एक सौ एक रैंक दे दिया। एक सौ एक का रैंक हमें वैसे ही मिला लगता है जैसे कोरोना काल में परीक्षार्थियों को मुंह मांगे नंबर दिए जा रहे हों। इस लिहाज से देखा जाए तो हम पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका वगैरह से आगे ही हैं। आखिर, हमने उनसे ज्यादा अंक प्राप्त किए हैं भाई! आगे तो ज्यादा अंकवाला ही माना जाता है। अब देखिए, दिल्ली विश्वविद्यालय में सौ प्रतिशत अंकवालों को ही दाखिला मिल रहा है। निन्यानवेवाले मुंह बाए खड़े हैं। इंतजार कर रहे हैं तो यह कि चौथी-पांचवी लिस्ट में शायद नंबर आ जाए। वैसे भी हमारा रैंक साल दर साल बढ़ ही रहा है, घट थोड़े ही रहा है। लेकिन फिर भी कुछ जलकुकड़े कह रहे हैं कि हमारे यहां भुखमरी बढ़ रही है। अबे भुखमरी नहीं, हमारे नंबर बढ़ रहे हैं कमबख्तो!

लेकिन लगता है कुछ सरकारवाले भी इन जलकुकड़ों की बातों में आ गए हैं और सरकार पर उसी तरह बचाव करने लगे हैं जैसे तेल की कीमतों के बढ़ने का करते हैं कि फ्री वैक्सीन भी चाहिए और सस्ता तेल भी चाहिए। शर्म नहीं आती! वैसे भाई साहब पहले कौन-सी बोली लगाकर वैक्सीन ले रहे थे। वैक्सीन तो हमेशा ही फ्री मिली हैं। खैर, सरकारवालों को सरकार का बचाव वास्तव में प्रधानमंत्री के न खाऊंगा, न खाने दूंगा के नारे से करना चाहिए। खैर, वे तो न खाएं तो अच्छी बात है, लेकिन हम सबको तो खाना चाहिए। कम से कम इंडेक्स ठीक रखने के लिए ही खा लेना चाहिए। अब प्रधानमंत्री का क्या है साहब, वे तो सोते भी नहीं हैं, मतलब दो-तीन घंटे ही सोते हैं और बराक ओबामा की पूरी नींद लेने की सारी इल्तिजा के बावजूद वे इतना ही सोते हैं। तो क्या उनकी होड़ करके हमें भी रातों को सोना छोड़ देना चाहिए। हालांकि जलकुकड़ों का आरोप है कि उनकी सरकार हमेशा सोए ही रहती है। कोरोना काल में भी सो रही थी, इस महंगाई के काल में भी सो रही है। लेकिन सरकार का सोना और प्रधानमंत्री का जागना, दोनों इस माने में एक-दूसरे के पूरक हैं कि प्रधानमंत्री तो वास्तव में चौकीदार हैं, और उनका जागना बनता है। इसी तरह जिंदा रहने के लिए हमारा खाना भी जरूरी है। प्रधानमंत्री न खाएं उनकी मर्जी! बेशक, न खाएं, लेकिन हम खा लेंगे तो कम से कम इंडेक्स तो सुधर जाएगा।

क्या कश्मीर में लौट रहे हैं 1990 के हालात?

प्रमोद भार्गव

कश्मीर में आम नागरिकों की आतंकियों द्वारा हत्या ने खौफनाक हालात पैदा कर दिए हैं। यह स्थिति भारत सरकार और सुरक्षा बलों के लिए बड़ी चुनौती है। आतंकी संगठनों ने 18 दिन के भीतर बारह बेकसूर नागरिकों की निर्मम हत्याएं की हैं। इनमें दस गैर-मुस्लिम हैं। इनमें से ज्यादातर उत्तर-प्रदेश, बिहार, झारखंड और मध्य-प्रदेश के वे मजदूर हैं, जो ठेला-पटरी लगाकर व मेहनत- मजदूरी करके अपना और परिवार का गुजारा करते हैं। अल्पसंख्यकों और प्रवासियों को लगातार निशाना बना रही ये घटनाएं संकेत देती हैं कि आतंकी गिरोह एक बार फिर घाटी में सक्रिय होकर इस पूरे क्षेत्र को अस्थिर करना चाहते हैं। इन वारदातों की जिम्मेदारी यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट (यूएलएफ) आतंकी संगठन ने ली है। इस संगठन और आतंकियों को न केवल पाकिस्तान का खुला समर्थन मिल रहा है, बल्कि इन वारदातों में पाकिस्तानी और रोहिंग्या घुसपैठियों के शामिल होने की सूचनाएं भी मिल रही हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं के घरों व दुर्गा पंडालों में आगजनी व लूटपाट भी इन्हीं रोहिंग्याओं द्वारा किए जाने की पुष्टि हुई है। गोया, नए सिरे से उभर रही इस चुनौती का सामना दृढ़ कठोरता से करना होगा। आतंकियों के साथ इनको छिपकर मदद करने वाले लोगों का भी सफाया जरूरी है। यदि आतंकियों समेत पाकिस्तान से आर-पार की लड़ाई नहीं लड़ी गई तो कश्मीर में सुधार के उपाय बेनतीजा रह जाएंगे।

> यहां चौंकाने वाला एक तथ्य यह भी है कि यहां प्रति व्यक्ति खर्च 9661 रुपए है, जो राष्ट्रीय औसत से 3,969 रुपए से तीन गुना अधिक है। यदि कश्मीर में अतिरिक्त आर्थिक मदद पर अंकुश लगाया जाता है तो यह स्थिति भी आतंकवाद और बढ़ती मौजूदा हिंसा को नियंत्रित करने का काम करेगी।

इसमें कोई दो मत नहीं कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 खत्म होने के बाद आतंकवाद पर लगाम और आतंकी संगठनों की कमर टूटी है। बचे-खुचे आतंकियों को खत्म करने के लिए सेना और सुरक्षा बल जान हथेली पर लेकर मुठभेड़ कर रहे हैं। लेकिन वारदातों का यह जो नया सिलसिला शुरू हुआ है, वह इनके कमजोर होने की धारणा को संदिग्ध बनाता है। जिस तरह से गैर-मुस्लिम नागरिकों को पहचान करके चुन-चुनकर मारा जा रहा है, उससे लगता है कि इन दहशतगर्दों को तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जे ने उकसाया है। इन हत्याओं का सीधा-सीधा मकसद गैर-कश्मीरियों में ऐसा डर पैदा करना है, जिससे वे घाटी से पलायन कर जाएं। घाटी में करीब पांच से सात लाख स्थानीय हिंदु और प्रवासी भारतीय हैं। दरअसल 1989-90 में कुछ इसी तरह की वारदातों के चलते हिंदु, सिख और डोंगरों को कश्मीर से खदेड़ दिया गया था। उस समय मस्जिदों से भी ऐलान किया गया था कि 'कश्मीर पंडितों के बगैर, कश्मीरी पंडितों की औरतों के साथ' है। अर्थात पंडित अपनी औरतों को छोड़कर भाग जाएं। इस त्रासदी को 32 साल से कश्मीरी विस्थापित भोग रहे हैं। धारा-370 हटने के साथ उम्मीद बंधी थी कि अब हालात बदल जाएंगे, लेकिन लगता है गैर-कश्मीरियों से दुर्भाग्य ने अभी साथ छोड़ा नहीं है।

विस्थापित पंडितों ने एक समय 'पनुन कश्मीर संगठन' के माध्यम से अलग राज्य की मांग की थी। उनका तर्क था कि कश्मीरी पंडित बीते चार सौ साल से पीड़ित समाज हैं। 1989 में उनका जो घाटी से पलायन हुआ था, वह कोई पहली घटना नहीं थी। मुगल शासनकाल में जब निरंकुश औरंगजेब दिल्ली की सल्तनत का सुल्तान था, तब उनका कश्यप ऋषि की इस वादी से पहली बार पलायन हुआ था। जिसे रोकने की कोशिश में सिख गुरू तेग बहादुर को अपना बलिदान देना पड़ा था। क्योंकि उन्हें पंडितों की मदद के दंडस्वरूप इस्लाम स्वीकारने की सजा औरंगजेब ने दी थी। लेकिन इस वीर ने धर्म परिवर्तन अस्वीकार कर दिया था।

फिर पठानों के शासन में ज्यादातर कश्मीरी-हिंदु पलायन को विवश हुए। पठानों की जब पराजय हो गई, तब कुछ पंडितों का पुनर्वास भी हो गया था। आजादी के बाद 1948 में पाकिस्तानी हमलों के चलते भी हिंदु बहुल अनेक गांव वीरान हुए और उनके परिजन कश्मीर से भागकर देश के बड़े शहरों में रहने पहुंच गए। अतएव ऐसे बदतर हालात में एक ही समाधान निकलता है कि उन्हें एक अलग केंद्र शासित राज्य मिले, जहां वह निश्चिंतता से रह सकें और उन्हें सुन्नी बहुमत की धमकियों के चलते अपनी जमीन न छोड़नी पड़े। कश्मीर पुनर्गठन के अंतर्गत लद्दाख को केंद्र शासित राज्य बनाकर भारत सरकार ने लद्दाखी बौद्ध और अन्य हिंदुओं के साथ न्याय का काम किया है। दरअसल घाटी में अलगाव का जो संकट निर्मित हुआ, उसका एक बड़ा करण हिंदुओं के संख्या बल में कमी और उनका उदार होना भी रहा है। यही स्थिति पूर्वोत्तर के अनेक राज्यों समेत केरल और उत्तर-प्रदेश के 20 जिलों में भी बन रही है। जिसके प्रति भारत सरकार और हिंदुओं को सचेत होने की जरूरत है।

साफ है, कश्मीर देश और वहां की अल्पसंख्यक आबादी के लिए एक नासूर आजादी के बाद से ही बना हुआ है। इसलिए इस गंभीर समस्या का हल जरूरी था। लिहाजा कश्मीर को इन हालातों तक पहुंचाने में तत्कालीन सत्ताधारियों की जो भी मजबूरियां और गलतियां रही हों, उन्हें सुधारने की पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार से पहले की सरकारों को भी करनी चाहिए थी ? लेकिन साहस की कमी के चलते ऐसा संभव नहीं हो पाया। नतीजतन कश्मीर के जिस समाज को गतिशील बनाए रखने की जरूरत थी, उसे आतंक की खूनी इबारतों और पंडितों के विस्थापन ने स्थिर बना दिया। सांस्कृतिक बहुलता भी खत्म कर दी गई। इसी का दुष्परिणाम रहा कि इस स्थिरता ने नासूर को मवाद से भर दिया। जबकि धारा-370 और 35-ए के रूप में जम्मू-कश्मीर को जो विशेष दर्जा दिया गया था, उसकी पहली शर्त कश्मीरियत और मजहबी सद्भाव बनाए रखना था। जिससे पूरे राज्य में सामाजिक, प्रशासनिक और सांस्कृतिक समन्वय व पहचान बने रहें। किंतु सुन्नी बहुमत ने गैर-मुस्लिमों को मार-मारकर भगाने का काम किया। नतीजतन घाटी में तरक्की की राह खुलने की बजाय बंदूकों की खेती और आतंकियों की जमात पैदा होने लगी। इसी का परिणाम रहा कि यह गंभीर मसला पाक से आयातित सांप्रदायिक आतंकवाद स्थ
शक्ल में तब्दील होता चला गया।

जुलाई 2012 में पत्तन में एक मुठभेड़ के बा
आतंकवादियों की शिनाख्त हुई तो ये लाशें स्था
मोहम्मद इब्राहिम जांवरी और निसार अहमद की
जिससे तय हुआ था कि वादी में दहशतगर्दी क
तैयार की जा रही है। इन ताजा वारदातों में ए
नस्ल फिर से देखने में आई है। साफ है, यू
आतंकी संगठनों ने घाटी में पहले से कहीं ज्यादा
तो नहीं फैला दिया ? क्योंकि राज्य पुलिस
एजेंसियों को ऐसी आशंकाएं पहले से ही थीं। उन्हे
व सबूत लगातार मिल रहे थे कि 1989 के बाद
जो युवा है, उन्हें आतंकवादी संगठन उग्रवादी बना
यह नस्ल उग्रवाद के गढ़ माने जाने वाले किस्त
पुलनामा और त्राल में गढ़ी जा रही हैं। हैरानी क
घाटी के स्थानीय प्रभावशाली नेता और दल इन
कुछ खुलकर नहीं बोल रहे है। महबूबा मुफ्ती 3
खिलाफ अब तक कुछ भी नहीं बोली हैं। जब
कांफ्रेंस के फारुख अब्दुला कश्मीरियों की हत्या3
कश्मीर के खिलाफ षड्यंत्र जताकर अपने कर्तव्
कर रहे हैं। उन्हें यह भी स्पष्ट कहना चाहिए कि
साजिश का रचयिता कौन है ? भारत के सभी
वामपंथी बौद्धिक संगठन भी मौन हैं। ऐसी
स्थितियों में घाटी में अमन व खुशहाली लाने के
भारत सरकार की जिम्मेदारी और बढ़ती दिखाई
कश्मीर को बदहाल बनाने में केंद्र सरकार द्वारा
बेतहाशा आर्थिक मदद भी है। यहां गौर करने क
जब कश्मीर की धरती पर खेती व अन्य उद्योग-
तब भी वहां की आर्थिक स्थिति मजबूत कैसे है ?
के अनुसार जम्मू-कश्मीर में देश की मात्र
आबादी रहती है, लेकिन राज्य को 10 प्रतिश
केंद्रीय आर्थिक सहायता मिलती है। राज्य की कु
54 फीसदी हिस्सा केंद्र सरकार देती है। वर्ष
2016 के दौरान केंद्र ने लगभग 1.14 लाख कर
कश्मीर को मदद की। सीएजी ने जब इस खर्च
की तो पाया कि 71088 करोड़ रुपए का कोई हि
है। तय है, कश्मीर को दी जा रही आर्थिक मदद
पर काबिज बने रहने वाले चंद परिवारों ने हथिया

राम रहीम

हम तो डूब गए सनम

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

डेरा सच्चा सौदा के गुरमीत राम रहीम सिंह को आजीवन कारावास की सजा हुई है। वह पहले दो महिलाओं के साथ बलात्कार करने और एक पत्रकार की हत्या के अपराध में 20 साल की सजा काट रहा था। अब उसे अपने तथाकथित आश्रम के एक प्रबंध की हत्या के आरोप में दुबारा सजा हुई है। प्रबंधक रणजीत सिंह पर राम रहीम इसलिए कुपित हुआ कि उसकी बहन से उसने प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को एक गोपनीय चिट्ठी लिखवाई थी, जिसमें राम रहीम के सारे काले-कारनामों का भंडाफोड़ किया गया था। वह चिट्ठी सार्वजनिक भी हो गई थी। इसी बात से चिढ़कर राम रहीम ने अपने चार चेलों को रणजीत की हत्या का बीड़ा सौंपा था। 10 जुलाई 2002 को गोली मारकर रणजीत की हत्या कर दी गई। अब 19 साल बाद अकाट्य प्रमाणों के आधार पर अदालत ने इन पांचों हत्यारों को सजा सुनाई है।

रामरहीम ने अदालत से दया की अपील की थी। अदालत ने उसे फांसी पर नहीं लटकाया। सिर्फ जेल में रहने के लिए कहा। क्या यह सजा है ? नहीं, यह तो बहुत बड़ा इनाम है। राम रहीम को खुश होना चाहिए। अब उसे जेल का मुफ्त खाना मिलेगा, कपड़े मिलेंगे और बीमारी का बहाना बना ले तो मुफ्त में दवा-दारू मिलेगी। इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि उसे पक्की सुरक्षा मिलेगी। जिन दर्जनों लड़कियों के साथ उसने बलात्कार किया है और जिन लोगों की उसने हत्या करवाई है, उनके रिश्तेदार चाहते हुए भी उसका बाल बांका नहीं कर सकेंगे। जेल के अंदर घुसकर वे इस अपराधी को कैसे मारेंगे ?

अब राम रहीम जितने वर्ष भी जेल काटेगा, आराम से रहेगा। उसे डेरा सच्चा सौदा की तरह कोई ढोंग फैलाने की जरूरत नहीं होगी। वह सादा जीवन जी सकेगा। पाप कर्मों से वह अपने आप को दूर रख सकेगा। लेकिन एक डर है। वह यह कि जेल में कई रसूखदार लोग स्वराज्य की स्थापना कर लेते हैं। कुख्यात हत्यारे, तस्कर, डकैत, ठग वगैरह किसी भी जेल में अपनी हुकूमत कायम कर लेते हैं। अभी कुछ दिनों पहले दिल्ली की एक जेल के दर्जनों अधिकारियों को मुअत्तल किया गया है, क्योंकि वे दो ठगों के इशारे पर उनका पूरा व्यावसायिक तंत्र वहां से चला रहे
सोचता हूं कि राम रहीम, आसाराम और नि
लोगों को चाहिए कि वे अब अपना शेष जी
ढंग से जिएं। उनसे जो भी पाप हुए, उन्हें
और जो सत्कर्म उन्होंने किए हैं, उन्हें वे या
उन्होंने अपना पाखंड खूब फैलाया लेकि
इनकार नहीं किया जा सकता कि
परोपकार के भी कई उल्लेखनीय कार्य
अपने कुकर्मों से अपना निजी जीवन
लेकिन वे उपदेशों का जो ढोंग रचाते रहे,
सैकड़ों-हजारों लोगों के जीवन में कुछ न
जरूर हुआ। यह ठीक है कि उनकी वजह से
कलंकित हुए लेकिन हमारे देश में अब भी
पावन संन्यासी, साधु, पादरी, मौलाना,
गुरुजन हैं, जो करोड़ों लोगों के प्रेरणा-स्र
ये घटनाएं सभी धर्मों के भक्तजन के लिए
चेतावनी की तरह हैं। हर किसी चमत्कारी
विश्वास करने के पहले उसके आचरण क
अनुभव की तुला पर तोलिए। यदि आप यह
तो वह खुद तो डूबेगा ही, आपको भी ले डू

छठ पूजा

इजाजत मिली, बेफिक्री ठीक नहीं

सुशील देव

दिल्ली में कोरोना के केस घट रहे हैं... स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है...अब कोई खतरा नहीं है... ये सारी बातें केवल कानों को सुकून और दिल को तसल्ली देने वाली हैं। सच्चाई यह है कि अभी खतरा टला नहीं है। मंगलवार को दिल्ली में कोरोना वायरस के 36 नये केस मिले जबकि एक मरीज की मौत हो गई। ऐसे में लोगों का बेफिक्र हो जाना अच्छा नहीं है। शायद यही वजह है कि दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने छठ पर्व मनाने को लेकर दूरदतशतापूर्ण कदम उठाने की कोशिश की थी। लेकिन उसका अर्थ गलत निकाला गया और चौतरफा विरोध होने लगा। परिणाम यह हुआ कि दिल्ली सरकार को दिल्ली के उप-राज्यपाल को पत्र लिखकर छठ पूजा मनाने की अनुमति मांगनी पड़ी जिसके बाद दूसरे कई राज्यों को भी कोविड-19 प्रोटोकॉल के तहत सार्वजनिक छठ पूजा के प्रावधानों के तहत इजाजत मिली।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पत्र में लिखा कि-दिल्ली में कोरोना की स्थिति अब नियंत्रण में है और जिस प्रकार दूसरे राज्यों को कोरोना प्रोटोकॉल के तहत छठ पूजा मनाने की इजाजत दी गई है, वैसे ही दिल्ली को भी इजाजत दी जाए। इससे पहले उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी केंद्र सरकार को पत्र लिखकर छठ पर्व मनाने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी करने की अपील की थी। पूर्वाचल के लोगों की आस्था का महापर्व छठ बिहार-यूपी ही नहीं, बल्कि दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में प्रमुखता से मनाया जाता है। इस पर्व पर लोगों का भारी जुटान रहता है। हर परिवार से ज्यादातर सदस्य इस पर्व में शिरकत करते हैं। ऐसे में सामाजिक दूरी बनाए रखना बेमानी हो जाएगा। भीड़ में पता नहीं चलता कि किसको क्या तकलीफ है या

किसका स्वास्थ्य ठीक है, या नहीं। सो, किसी भी सरकार या प्रशासन को फूंक कर कदम रखने की जरूरत है।

महाराष्ट्र के एक मंत्री ने चेताया है कि अभी कोरोना खत्म नहीं हुआ है, महाराष्ट्र और केरल इसके प्रमुख उदाहरण हैं। कई राज्यों में कोरोना से रिकवरी दर बढ़ी हैग मगर अभी कोरोना गया नहीं है। दिल्ली में एक मौत के बाद लगता है कि कोरोना वायरस फिर से सिर उठाने लगा है। डाक्टरों और विशेषज्ञों का मानना है कि दिल्ली में अभी 0 केस के बारे में सोचना भी बेकार है। तीसरी लहर की आशंका को लेकर जो भविष्यवाणियां की गई थीं, उन्हें भी झुठलाया नहीं जा सकता। तमाम उपायों एवं टीकाकरण के बावजूद अभी भी डर बना हुआ है कि कहीं तीसरी लहर चुपके से आकर हमें दबोच न लें। फिर से कोरोना न बढ़ पाए। इसलिए केजरीवाल सरकार का फैसला इस मामले में सही लगता है। लेकिन इस बीच केजरीवाल सरकार के प्रिकॉशन को राजनीतिक रंग देकर कई दल सड़कों पर उतर आए। धरना-प्रदर्शन करने लगे। और, आखिर में दिल्ली सरकार को केंद्र से अनुमति लेने को बाध्य होना पड़ा। हालांकि बीजेपी ने इसे पूर्वाचलवासियों के
जीत बता दिया है।

मगर सच्चाई यह है कि अनुशासित तरीके
प्रोटोकॉल के नियमों का पालन नहीं कि
गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। घाट
की भीड़ दिल्ली के लिए मुसीबत का सबब
हैग और फिर यह देश के लिए भी बहुत भ
इसलिए ऐसे संजीदा मामले में राजनीति
नहीं है क्योंकि यह लाखों जान के खतरे से
है। कोई नहीं जानता कि भविष्य में महामारी
में वेश बदल कर हमारे बीच फिर से आ ध
मेडिकल साइंस भी इस भयंकर वायरस पर
इनकार करता है। इससे पहले कोरोना क
मंजर दिल्लीवासियों ने देखा है, जब दूस
घर-घर में लोग बीमार पड़ रहे थे। अस्पत
डरते थे क्योंकि ज्यादातर लोगों की मौत क
से आ रही थीं। अस्पतालों में ऑक्सीजन
थेग दवाइयां नहीं थीं। बढ़ते मरीजों से
स्वास्थ्यकर्मी परेशान हो उठे थे। यह इतना
भयावह था कि लोग अपनी जिंदगी चिंता में
श्मशान घाटों पर लाशों का अंबार लगा था
और बिहार से लगातार खबरें आ रही
संस्कार के अभाव में लोग अपने सगे-संबं
को नदियों में बहा रहे हैं, या जमीन के नीचे
मजबूर हो गए हैं। ऐसे दिन ऊपरवाला फि
दिखाएग इसके लिए हर कहीं प्रार्थना की
यज्ञ-हवन आदि किए जा रहे थे। लेकिन अ
को भूलते हुए उसी गलती को पुनः दोहर
मानवता के खिलाफ होगा। और फिर से
परिणाम भुगतने होंगे।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने टाटा समूह की कंपनियों की रेटिंग बढ़ायी

नयी दिल्ली, एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने बृहस्पतिवार को टाटा स्टील, टाटा मोटर्स और जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) सहित टाटा समूह की पांच कंपनियों की रेटिंग में सुधार किया। यह टाटा समूह के मौजूदा प्रभाव के उसके पुनर्मूल्याकंन और होल्डिंग कंपनी टाटा सन्स से मिलने वाली 'असाधारण वित्तीय सहायता' की क्षमता को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल ने रेटिंग में बदलाव करते हुए कहा कि टाटा स्टील लि. और उसकी 100 प्रतिशत स्वामित्व वाली वित्तीय अनुषंगी एबीजेए इन्वेस्टमेंट कंपनी प्राइवेट लि. की रेटिंग को स्थिर परिदृश्य के साथ 'बीबी' से बढ़ाकर 'बीबीबी-' किया है। इसी तरह, टाटा मोटर्स लिमिटेड और इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई टीएमएल होल्डिंग्स प्राइवेट लि. को स्थिर परिदृश्य के साथ 'बी' रेटिंग से बढ़ाकर 'बीबी माइनस' किया गया है। साथ ही समूह की ब्रिटिश लग्जरी वाहन निर्माता कंपनी जगुआर लैंड रोवर ऑटोमोटिव पीएलसी (जेएलआर) की रेटिंग को 'बी' से बढ़ाकर 'बी प्लस' कर दिया गया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि टाटा समूह की कंपनियों की रेटिंग में सुधार 'मौजूदा प्रभाव के पुनर्मूल्यांकन के साथ-साथ होल्डिंग कंपनी से मिलने वाली असाधारण वित्तीय सहायता की क्षमता को दर्शाता है।'

जेएसडब्ल्यू स्टील का दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ चार गुना से ज्यादा बढ़कर 7,179 करोड़ रु

नयी दिल्ली, जेएसडब्ल्यू स्टील ने बृहस्पतिवार को कहा कि 30 सितंबर को समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ चार गुना से अधिक की वृद्धि के साथ 7,179 करोड़ रुपये रहा। लाभ में शानदार वृद्धि की वजह कंपनी की ऊंची आय है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसने पिछले वित्त वर्ष 2020-21 की जुलाई-सितंबर तिमाही में 1,595 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हासिल किया था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की कुल आय एक साल पहले की समान अवधि के 19,416 करोड़ रुपये से बढ़कर 33,449 करोड़ रुपये हो गयी। वहीं कंपनी का व्यय भी एक साल पहले के 16,958 करोड़ रुपये के मुकाबले बढ़कर 24,261 करोड़ रुपये रहा।

सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों, पेंशधारकों का महंगाई भत्ता तीन प्रतिशत बढ़ाया

नयी दिल्ली, मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय कर्मचारियों एवं पेंशनधारकों के महंगाई भत्ता और राहत में तीन प्रतिशत वृद्धि को मंजूरी दे दी। इससे 47.14 लाख कर्मचारियों और 68.62 लाख पेंशनधारकों को लाभ होगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने संवाददाताओं को बताया कि यह वृद्धि एक जुलाई 2021 से प्रभावी होगी। इस वृद्धि के बाद महंगाई भत्ता और राहत बढ़कर 31 प्रतिशत हो गयी है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष एक जुलाई को सरकार ने कर्मचारियों की तीन बकाया किस्तों की बहाली का अनुमोदन किया था तथा कर्मचारियों एवं पेंशनधारकों को देय महंगाई भत्ते/राहत को मूल वेतन/पेंशन के 17 प्रतिशत से बढ़ाकर 28 प्रतिशत करने का निर्णय किया था । ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में कर्मचारियों एवं पेंशनधारकों को देय महंगाई भत्ते/राहत तीन प्रतिशत बढ़ाने को मंजूरी दी गई । उन्होंने कहा कि इस निर्णय से केंद्र सरकार के 47.14 लाख कर्मचारियों और 68.62 लाख पेंशनधारकों को लाभ होगा । सूचना प्रसारण मंत्री ने कहा कि इस पर प्रति वर्ष 9,488 करोड़ रुपये का खर्च आयेगा। सरकारी बयान के अनुसार, मंत्रिमंडल ने एक जुलाई 2021 से देय केंद्र सरकार के कर्मचारियों को महंगाई भत्ता और पेंशनभोगियों को महंगाई राहत की अतिरिक्त किस्त जारी करने की मंजूरी दी । इसमें कहा गया है कि यह वृद्धि स्वीकृत फॉर्मूले के अनुरूप है, जो सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों पर आधारित है। महंगाई भत्ता और महंगाई राहत, दोनों के कारण राजकोष पर संयुक्त रूप से प्रति वर्ष 9,488.70 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा।

भारत 2024-25 तक 5,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा: मंत्री हरदीप सिंह पुरी

(एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बृहस्पतिवार को भरोसा जताया कि भारत 2024-25 तक 5,000 अरब अमेरिकी डॉलर और 2030 तक 10,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने पीएएफआई इंडिया के एक सम्मेलन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कहा, ''आर्थिक वृद्धि में तेजी आ रही है। भारत 2024-25 तक 5,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था और 2030 तक 10,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।'' पुरी ने भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के विनिवेश पर कहा, ''सभी की प्रतिक्रिया के आधार पर अच्छी तरह आगे बढ़ा जा रहा है...'' पेट्रोलियम एवं शहरी विकास मंत्री ने हाल में एयर इंडिया के विनिवेश की तारीफ भी की। ऐसी खबरें हैं कि एयर इंडिया के विनिवेश के बाद सरकार चालू वित्त वर्ष में ही बीपीसीएल का सौदा पूरा करना चाहती है।

आर्थिक वृद्धि की गति पर उन्होंने कहा कि पेट्रोल की खपत कोविड-पूर्व स्तरों की तुलना में 16 प्रतिशत और डीजल की खपत 10-12 प्रतिशत अधिक है।

आईडीबीआई बैंक का दूसरी तिमाही में लाभ 75प्रतिशत बढ़कर 567 करोड़ रु पर

नयी दिल्ली (एजेंसी),

आईडीबीआई बैंक का शुद्ध लाभ 30 सितंबर को समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 75 प्रतिशत बढ़कर 567 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) नियंत्रित बैंक ने पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि (जुलाई-सितंबर) में 324 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। हालांकि, तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय एक साल पहले की समान तिमाही की तुलना में 10 प्रतिशत घटकर 5,000.64 करोड़ रुपये हो गयी। पिछले साल (जुलाई-सितंबर 2020) यह 5,569.35 करोड़ रुपये थी। निजी क्षेत्र के बैंक ने एक बयान में कहा कि जुलाई-सितंबर 2021 तिमाही के दौरान उसकी शुद्ध ब्याज आय एक साल पहले की समान तिमाही के 1,695 करोड़ रुपये से नौ प्रतिशत बढ़कर 1,854 करोड़ रुपये हो गयी। बैंक ने साथ ही कहा कि उसका शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) 0.32 प्रतिशत बढ़कर 3.02 प्रतिशत हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 2.70 प्रतिशत था।

वैश्विक पीसी शिपमेंट की तीसरी तिमाही में 84 मिलियन यूनिट्स की वृद्धि, लेनोवो पहले स्थान पर मौजूद

नई दिल्ली। वैश्विक पीसी शिपमेंट ने 2021 की तीसरी तिमाही में लगातार छठी साल-दर-साल वृद्धि दर्ज की, जो 84.2 मिलियन यूनिट हो गई है। यह मौजूदा कंपोनेंट की कमी और अन्य आपूर्ति बाधाओं के बावजूद है। मार्केट रिसर्च फर्म काउंटरप्वाइंट के मुताबिक, तिमाही के दौरान 9.3 प्रतिशत साल दार साल वृद्धि ने तीसरी तिमाही 2020 के बाद से लगातार चार तिमाहियों में दोहरे अंकों की साल दार साल वृद्धि के बाद पीसी शिपमेंट की गति को कम किया। सेमीकंडक्टर और कंपोनेंट्स टीम के रिसर्च एनालिस्ट, विलियम ली ने कहा, तीसरी तिमाही 2021 में, वैश्विक पीसी आपूर्ति श्रृंखला बिजली प्रबंधन आईसी, रेडियो आवृत्ति, ऑडियो कोडेक और अन्य से संबंधित घटकों की कमी के कारण बाधित रही। इसके अलावा, अस्थिर वैश्विक रसद और विनिर्माण दक्षिण पूर्व एशिया और चीन में साइट शटडाउन पीसी आपूर्ति में अधिक अनिश्चितताएं जोड़ा है। तिमाही के दौरान पीसी की मांग मजबूत रही है। लेनोवो 20.1 मिलियन यूनिट की शिपिंग के बाद 23.9 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ तीसरी तिमाही में फिर से पहले स्थान पर है, जो मुख्य रूप से इसके परिचालन लचीलेपन के कारण दूसरी तिमाही संख्या से थोड़ा ऊपर था। एचपी की 20.5 प्रतिशत हिस्सेदारी और 6 प्रतिशत वर्ष-दर-वर्ष गिरावट मुख्य रूप से क्रोमबुक में मंदी के साथ-साथ घटकों की कमी के कारण है। एम1 मैक की रिप्लेसमेंट डिमांड के चलते 2021 की तीसरी तिमाही में एप्पल के शिपमेंट में साल-दर-साल 11 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। आसुस के शिपमेंट को कंज्यूमर और कमर्शियल दोनों सेगमेंट्स ने बूस्ट किया। ब्रांड ने तीसरी तिमाही में एसर को पछाड़कर पांचवां स्थान हासिल किया, जिसने क्रोमबुक में मंदी के कारण सालाना आधार पर 3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की।

गतिशक्ति मास्टर प्लान को कैबिनेट ने दी मंजूरी, जानिए क्या है सरकार की योजना?

नई दिल्ली (एजेंसी):

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को बहुस्तरीय संपर्क प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान को मंजूरी दी। इसमें कार्यान्वयन, निगरानी और समर्थन तंत्र शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 अक्टूबर को 'लॉजिस्टिक' लागत को कम करने और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने वाले बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए 100 लाख करोड़ रुपये के राष्ट्रीय मास्टर प्लान की शुरुआत की थी। इस योजना के तहत 'लॉजिस्टिक' लागत में कटौती, कार्गो प्रबंधन क्षमता में वृद्धि और माल उतारने या लादने में लगने वाले समय को कम करने का लक्ष्य तय किया गया है। आधिकारिक बयान के अनुसार, ''मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने बहुस्तरीय संपर्क प्रदान करने के लिए पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान को मंजूरी दे दी। इसमें कार्यान्वयन, निगरानी और समर्थन तंत्र शामिल हैं।%% इस योजना के तहत कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में 18 मंत्रालयों के सचिवों को सदस्य के रूप में शामिल करके सचिवों के अधिकार प्राप्त समूह (ईजीओएस) का गठन किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने फैसले के बारे में मीडिया को बताया विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के नेटवर्क योजना प्रभाग के प्रमुखों को शामिल कर एक बहुस्तरीय नेटवर्क योजना समूह (एनपीजी) का गठन किया जाएगा। एनपीजी को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के लॉजिस्टिक प्रभाग में स्थित एक तकनीकी सहायता इकाई (टीएसयू) से मदद मिलेगी। टीएसयू में विभिन्न बुनियादी ढांचा क्षेत्रों, जैसे विमानन, सामुद्रिक, सार्वजनिक परिवहन, रेल, सड़क और राजमार्ग, बंदरगाह, बिजली, पाइपलाइन, जीआईएस, आईसीटी, वित्त / बाजार पीपीपी, लॉजिस्टिक, डेटा विश्लेषण जैसे क्षेत्रों के विशेषज्ञ होंगे। ईजीओएस पीएम गतिशक्ति एनएमपी के कार्यान्वयन की समीक्षा और निगरानी करेगा। बयान के मुताबिक ईजीओएस यह सुनिश्चित करेगा कि अवसंरचना विकास की विभिन्न पहल इस संयुक्त एकीकृत डिजिटल मंच का हिस्सा बनें। ईजीओएस विभिन्न मंत्रालयों जैसे इस्पात, कोयला, उर्वरक, आदि की जरूरत के अनुसार थोक माल के कुशलतापूर्वक परिवहन की मांग को पूरा करने के लिए आवश्यक कार्यों को भी देखेगा। सीसीईए ने नेटवर्क योजना समूह

(एनपीजी) के गठन, संरचना और अधिकार क्षेत्र को भी मंजूरी दे दी है। एनपीजी में संबंधित अवसंरचना मंत्रालयों की नेटवर्क योजना इकाइयों के प्रमुख शामिल हैं और यह ईजीओएस की सहायता करेगा। बयान में कहा गया कि पीएम गतिशक्ति एनएमपी का उद्देश्य बहुस्तरीय संपर्क और आखिरी छोर तक संपर्क की समस्याओं को हल करने के लिए विभागीय दायरों को तोड़ना और परियोजनाओं की अधिक समग्र और एकीकृत योजना बनाकर उसे क्रियान्वित करना है। इससे लॉजिस्टिक लागत को कम करने में मदद मिलेगी। इससे उपभोक्ताओं के साथ ही व्यवसायों में लगे लोगों को फायदा होगा। मंत्रिमंडल की इस मंजूरी के साथ, पीएम गतिशक्ति विभिन्न हितधारकों को एक साथ लाएगी और परिवहन के विभिन्न माध्यमों को एकीकृत करने में मदद करेगी।

बाजार में तीसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 336 अंक लुढ़का; एशियन पेंट्स 5 प्रतिशत टूटा

मुंबई (एजेंसी)

बिकवाली दबाव से घरेलू शेयर बाजारों में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 336.46 अंक टूटकर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बीच कंपनियों के परिणाम बेहतर नहीं रहने तथा रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस और टीसीएस जैसे प्रमुख शेयरों में गिरावट से बाजार नीचे आया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 336.46 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 60,923.50 अंक पर बंद हुआ। कारेबार के दौरान यह 60,500 के स्तर से नीचे चला गया था। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 88.50 अंक यानी 0.48 प्रतिशत टूटकर 18,178.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में एशियन पेंट्स 5.21 प्रतिशत टूटकर सर्वाधिक नुकसान में रहा। कंपनी का वित्तीय परिणाम जारी होने के बाद शेयर नीचे आया। एशियन पेंट्स एकीकृत शुद्ध लाभ सितंबर, 2021 को समाप्त तिमाही में 29 प्रतिशत घटकर 605.17 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से कच्चे माल की लागत बढ़ने से कंपनी का लाभ कम हुआ है। इसके अलावा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, टाटा स्टील, टीसीएस, डा. रेड्डीज और भारती एयरटेल में 2.85 प्रतिशत तक की गिरावट आयी। दूसरी तरफ, कोटक बैंक, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, एनटीपीसी, एसबीआई और एक्सिस बैंक लाभ में रहने वाले शेयरों में शामिल हैं। इनमें 6.51 प्रतिशत तक की तेजी रही। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 21 नुकसान में रहें। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि बाजार के समक्ष कुछ चुनौतियां हैं। इसमें शेयरों का अधिक मूल्यांकन शामिल है। जिंसों की मुद्रास्फीति बढ़ने से कंपनियों के मार्जिन पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा, ''विदेशी और घरेलू दोनों संस्थागत निवेशकों की बिकवाली यह संकेत देती है कि बाजार में काफी तेजी आ चुकी है और मूल्यांकन ऊंचा है।'' आनंद राठी के इक्विटी शोध प्रमुख नरेंद्र सोलंकी ने कहा, ''घरेलू बाजार शुरू में लाभ में रहें लेकिन शुरूअती तेजी को बरकरार नहीं रख पाये और बाद में एशियाई बाजारों के ज्यादातर प्रमुख बाजारों की तरह नीचे आ गये...।'' एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहें जबकि चीन में शंघाई कंपोजिट सूचकांक लाभ में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84.86 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर एक पैसे की मामूली बढ़त के साथ 74.87 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में उपलब्ध आंकड़े के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 1,843.09 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

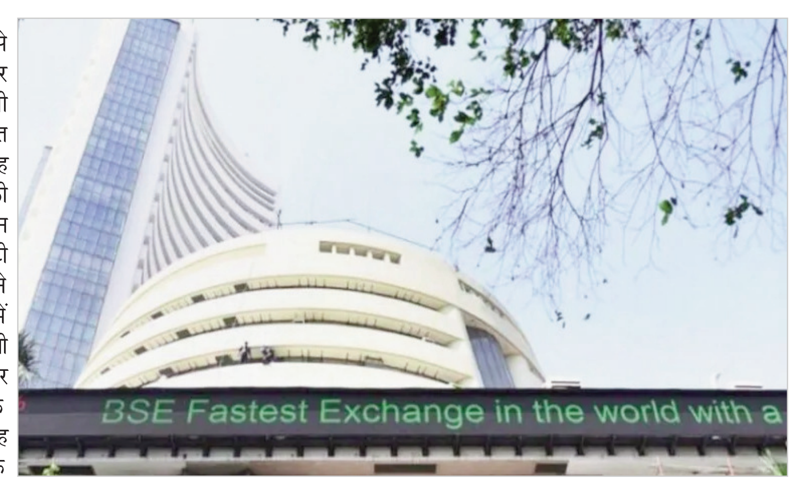

एप्पल 27-इंच मिनी एलईडी प्रोमोशन तकनीक के साथ आईमैक 2022 में करेगा लॉन्च

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

एप्पल अपना 27-इंच मिनी इलईडी और प्रोमोशन तकनीक के साथ नया आईमैक कथित तौर पर अगले साल 2022 की पहली तिमाही में लॉन्च करने का प्लान बना रहा है। मेकरियूमर्स की रिपोर्ट के अनुसार, डिस्प्ले सप्लाई चेन कंसल्टेंट्स के सीईओ रॉस यंग के अनुसार, 27-इंच आईमैक डिस्प्ले में प्रोमोशन होगा, जो 24हट्र्ज और 120हट्र्ज के बीच एक अनुकूली रिफ्रेश रेट की अनुमति देगा। इसके अलावा, आईमैक के लिए 27 इंच के डिस्प्ले में मिनी-एलईडी बैकलाइटिंग की सुविधा होगी, जिसका अर्थ है कि इसमें एक्सडीआर ब्रांडिंग होगी। इस साल की शुरूआत में, एप्पल ने 12.9-इंच आईपेड प्रो सहित मिनी-एलईडी डिस्प्ले के साथ कुछ अन्य उत्पाद पेश किए। आईफोन निर्माता ने हाल ही में 14 और 16-इंच मॉडल में सभी नए एम1 प्रो और एम1 मैक्स द्वारा संचालित मैकबुक प्रो लॉन्च किया। नया 14-इंच मैकबुक प्रो मॉडल 194,900 रुपये और शिक्षा के लिए 175,410 रुपये से शुरू होता है और 16 इंच मैकबुक प्रो मॉडल 239,900 रुपये और शिक्षा के लिए 215,910 रुपये से शुरू होता है। एम1 प्रो और एम1 मैक्स के साथ नए मैकबुक प्रो मॉडल आज ही एप्पलडॉटकॉम/इन/स्टोर पर ऑर्डर करने के लिए उपलब्ध हैं। वे ग्राहकों के पास पहुंचना शुरू कर देंगे और 26 अक्टूबर से चुनिंदा एप्पल स्टोर्स पर उपलब्ध होंगे। कंपनी ने एक बयान में कहा कि मैकबुक प्रो का उद्देश्य ग्राउंडब्रेकिंग प्रोसेसिंग, ग्राफिक्स और मशीन लर्निंग (एमएल) प्रदर्शन देना है, चाहे वह बैटरी पर चल रहा हो या प्लग इन हो, साथ ही साथ अद्भुत बैटरी लाइफ भी। नया मैकबुक प्रो नोटबुक्स की अब तक की सबसे मजबूत लाइनअप बनाने के लिए एम1 के साथ 13-इंच मैकबुक प्रो से जुड़ता है। एम1 प्रो और एम1 मैक्स में सीपीयू, एम1 की तुलना में 70 प्रतिशत तेज सीपीयू प्रदर्शन प्रदान करता है, इसलिए एक्सकोड में प्रोजेक्ट संकलित करने जैसे कार्य पहले से कहीं अधिक तेज हैं।

तेलंगाना एआई मिशन ने स्टार्टअप्स के लिए इन्वेस्टर कनेक्ट किया लॉन्च

हैदराबाद (एजेंसी)।

तेलंगाना एआई मिशन (टी-एआईएम) ने गुरुवार को एक इन्वेस्टर कनेक्ट प्रोग्राम लॉन्च किया है, जो स्टार्टअप्स को विकास पूंजी तक पहुंचने का अवसर प्रदान करेगा।

नैसकॉम 10,000 स्टार्टअप्स के साथ साझेदारी में क्रियान्वित होने के लिए, यह कार्यक्रम इस महीने से दिसंबर तक शुरू होने वाले चार अलग-अलग सत्रों के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में शिक्षा, कृषि, खुदरा, खेल, वित्त और स्वास्थ्य सेवा में रेव अप स्टार्टअप शामिल होंगे। निवेशक समुदाय में बड़े पैमाने पर उद्यम पूंजी फर्म और प्रमुख एंजेल नेटवर्क शामिल होंगे। अधिकारियों ने कहा कि टी-एआईएम के रेव अप एक्सेलेरेटर कार्यक्रम में नामांकित 30 से अधिक स्टार्टअप 30 संस्थागत निवेशकों के साथ अपनी धन बढ़ाने की आवश्यकताओं पर चर्चा करेंगे। अगस्त 2021 में देश भर से 42 स्टार्टअप्स को रेव अप एक्सेलेरेशन प्रोग्राम के लिए चुना गया था। यह प्रोग्राम उन स्टार्टअप्स के लिए कई तरह के अवसर प्रदान करता है जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके स्केलेबल बिजनेस बनाने की इच्छा रखते हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, तेलंगाना सरकार के प्रधान सचिव, जयेश रंजन ने कहा कि हैदराबाद में नवोन्मेषक और तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र लगातार निवेशकों के लिए एक मजबूत मूल्य प्रस्ताव बना रहा है। जबकि हम राज्य में नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को पोषित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, मुझे उम्मीद है कि निवेशक समुदाय स्थायी, बड़े पैमाने पर प्रभाव पैदा करने के लिए स्टार्टअप को सशक्त बनाना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, सैंड्रो स्टीफन, वाइस प्रेसिडेंट-सोर्सिंग एंड इन्वेस्टर रिलेशंस, इंडियन एंजेल नेटवर्क (आईएएन) ने बताया कि आईएएन स्टार्टअप समुदाय के साथ लगातार जुड़ रहा है। हम टी-एआईएम द्वारा इस पहल के साथ साझेदारी करके खुश हैं, जिसका उद्देश्य पारिस्थितिकी तंत्र में प्रासंगिक हितधारकों के लिए शुरूआती चरण के स्टार्टअप को जोड़कर व्यापक प्रभाव पैदा करना है।

नया सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लॉन्च करेंगे ट्रंप

वाशिंगटन (एजेंसी)।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक नया सोशल मीडिया नेटवर्क लॉन्च करने की योजना की घोषणा की है, जिसे ट्रथ सोशल कहा जाता है। मीडिया रिपोर्टों में इसकी जानकारी दी गई।

बीबीसी के अनुसार, ट्रम्प ने कहा कि मंच बड़ी तकनीक के अत्याचार के लिए खड़ा होगा। उन पर अमेरिका में विरोधी आवाजों को चुप कराने का आरोप लगाया गया है। सोशल मीडिया ने व्हाइट हाउस के लिए ट्रम्प की बोली में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और राष्ट्रपति के रूप में संचार का उनका पसंदीदा माध्यम था। लेकिन उनके समर्थकों द्वारा यूएस कैपिटल पर धावा बोलने के बाद उन्हें ट्विटर से प्रतिबंधित कर दिया गया और फेसबुक से निलंबित कर दिया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि सोशल मीडिया फर्मों पर ट्रम्प के राष्ट्रपति पद पर प्रतिबंध लगाने का दबाव था, उनके पोस्ट की अपमानजनक, भड़काऊ या पूरी तरह से झूठ बोलने के रूप में आलोचना की गई थी। पिछले साल ट्विटर और फेसबुक ने उनके कुछ पोस्ट हटाना शुरू कर दिया था या उन्हें भ्रामक के रूप में लेबल करना शुरू कर दिया था, जैसे कि एक जिसमें उन्होंने कहा था कि कोविड-19 फ्लू की तुलना में कम घातक था। उन्होंने जनवरी

के दंगों के बाद ट्रम्प पर प्रतिबंध लगाने या उन्हें निलंबित करने का निर्णय लिया, जिसके बाद उन्होंने एक भाषण दिया जिसमें उन्होंने चुनावी धोखाधड़ी के आधारहीन दावे किए। दंगों के जवाब में, ट्रम्प ने कैपिटल में उन लोगों को देशभक्त कहा और चुनाव के परिणाम को स्वीकार करने का कोई संकेत नहीं दिखाया, ट्विटर और फेसबुक को यह शासन करने के लिए प्रेरित किया कि उन्हें अपनी साइटों का उपयोग जारी रखने की अनुमति देना बहुत जोखिम भरा था। तब से उन्होंने और उनके सलाहकारों ने संकेत दिया है कि वे एक प्रतिद्वंद्वी सोशल मीडिया साइट बनाने की योजना बना रहे थे। इस साल की शुरूआत में, उन्होंने डोनाल्ड जे ट्रम्प के डेस्क से वेबसइट लॉन्च की, जिसे अक्सर एक ब्लॉग के रूप में जाना जाता था। वेबसाइट को लॉन्च होने के एक महीने से भी कम समय के लिए स्थायी रूप से बंद कर दिया गया था, केवल दर्शकों के एक अंश को आकर्षित करने के बाद जिसे उन्होंने स्थापित साइटों के माध्यम से उम्मीद की थी।

ट्विटर ने भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए परीक्षण समुदाय, लाइव स्कोरकार्ड किया लॉन्च

नई दिल्ली (एजेंसी)।

क्रिकेट प्रशंसकों के रोमांचक अनुभव को बढ़ाने के उद्देश्य से, माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट ट्विटर ने गुरुवार को एक लाइव स्कोरकार्ड लॉन्च किया है। वहीं कंपनी देश के पहले ट्विटर समुदाय-क्रिकेट ट्विटर-इंडिया का भी परीक्षण कर रहा है। मैच के दौरान, स्कोरकार्ड एक्सप्लोर टैब और लाइव इवेंट पेज पर दिखाई देगा।

ट्विट्स के माध्यम से स्क्रॉल करते हुए प्रशंसक वास्तविक समय में मैच के स्कोर का पालन करने में सक्षम होंगे। कंपनी ने एक बयान में कहा, इसका मतलब यह है कि जब ट्विटर पर प्रशंसक रीयल-टाइम मैच की बातचीत में शामिल होते हैं, तो उन्हें स्कोर बनाए रखने के लिए कहीं और नहीं जाना पड़ेगा। कंपनी ने बताया, स्कोरकार्ड आईओएस के साथ-साथ वेब पर भारत में सभी के लिए उपलब्ध होगा और एंड्रॉइड पर अधिकांश लोगों के लिए उपलब्ध होगा। आने वाले हफ्तों में हम उपयोगकर्ताओं के लिए प्रासंगिक मिलान सामग्री ढूंढना और बातचीत में शामिल होना, आसान बनाने के लिए और अधिक तरीके ढूंढेंगे। कंपनी क्रिकेट ट्विटर-इंडिया नामक भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को समर्पित यूएस के बाहर अपने पहले समुदाय का परीक्षण भी कर रही है, जो कई भारतीय भाषाओं में क्रिकेट के बारे में बात करता है। समुदायों ने इस साल सितंबर में यू.एस. में परीक्षण शुरू किया, ताकि लोग उन लोगों को ढूंढ सकें और उनसे जुड़ सकें जो उनके जैसी ही चीजों के बारे में बात करना चाहते हैं। वे वर्तमान में केवल आमंत्रण के माध्यम से ही पहुंच योग्य हैं। कंपनी ने कहा कि समुदाय ट्विटर पर लोगों द्वारा शुरू और प्रबंधित किए जाते हैं - मॉडरेटर जो सामुदायिक नियमों को लागू करते हैं और बातचीत को सूचनात्मक, प्रासंगिक और मजेदार रखते हैं। जो लोग किसी समुदाय में शामिल होने के लिए आमंत्रण स्वीकार करते हैं, वे सदस्य बन जाते हैं और बदले में दूसरों को आमंत्रित करने में सक्षम होंगे।

जब आप किसी समुदाय में शामिल होते हैं, तो आप अपने सभी अनुयायियों के बजाय सीधे उस ऑडियंस को ट्वीट कर सकते हैं। जबकि सामुदायिक ट्वीट सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं, केवल उसी समुदाय के सदस्य ही जवाब दे सकते हैं और बातचीत में शामिल हो सकते हैं, इसलिए यह अंतरंग और प्रासंगिक बना रहता है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चैम्पियंस लीग : रोनाल्डो फिर बने युनाइटेड के संकटमोचक, अटलांटा को 3-2 से हराया

मैनचेस्टर ।

पुर्तगाल के स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 81वें मिनट में लगाये गए विजयी गोल की मदद से मैनचेस्टर युनाइटेड ने चैम्पियंस लीग फुटबॉल के मैच में अटलांटा को 3.2 से हराया। रोनाल्डो आखिरी सीटी बजने के बाद घुटने के बल बैठ गए और आसमान की ओर देखने लगे। स्टेडियम में मौजूद दर्शकों की जुबां पर उन्हीं का नाम था। चैम्पियंस लीग में सर्वाधिक गोल करने वाले रोनाल्डो का यह 138वां गोल था। इससे तीन सप्ताह पहले विलारियाल के खिलाफ दूसरे दौर के मैच में उन्होंने स्टॉपेज टाइम के पांच मिनट के भीतर गोल करके टीम को जीत दिलाई थी। युनाइटेड अब ग्रुप एफ में पहले स्थान पर है जबकि विलारीयल उससे दो अंक पीछे है।

डेनमार्क ओपन :

लक्ष्य दूसरे दौर में पहुंचे, साइना, प्रणय और कश्यप हारे

ओडन्से ।

युवा लक्ष्य सेन ने हमवतन भारतीय सौरभ वर्मा को सीधे गेम में हराकर बुधवार को यहां डेनमार्क ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई लेकिन साइना नेहवाल को हार का सामना करना पड़ा। पिछले रविवार को डच ओपन में उप विजेता रहे लक्ष्य ने एकतरफा मुकाबले में राष्ट्रीय चैंपियन सौरभ को 26 मिनट में 21-9 21-7 से हराया। ट्रायल में एकमात्र मैच हारने के बाद सुदिरमन कप और थॉमस कप फाइनल की टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे अल्मोड़ा के 20 साल के लक्ष्य की भिड़ंत अगले दौर में दूसरे वरीय और ओलंपिक चैंपियन डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन से होने की उम्मीद है। ग्रोइन में चोट के कारण उबेर कप फाइनल मैच के बीच से हटने वाली लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना को पहले दौर में जापान की दुनिया की 20वें नंबर की खिलाड़ी आया ओहोरी ने पहले दौर में 21-16 21-14 से हराया। शीर्ष 10 में शामिल रह चुके एचएस प्रणय भी छठे वरीय इंडोनेशिया के योनाथन क्रिस्टी के खिलाफ सीधे गेम में 18-21 19-21 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए जबकि 2014 राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन पारूपल्ली कश्यप को चीनी ताइपे के चौथे वरीय चाउ टिएन चेन के खिलाफ 0-3 से पिछड़ने के बाद मुकाबले के बीच से हट गए। भारत के युगल खिलाड़ियों ने भी निराश किया और सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी तथा अश्विनी पोनप्पा के अलावा कोई विरोधी जोड़ियों को टक्कर नहीं दे पाया। सात्विक और अश्विनी को भी हालांकि कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद मिश्रित युगल में फेंग यान झी और ड्यू युइ की चीन की जोड़ी के खिलाफ 17-21 21-14 11-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। महिला युगल में मेघना जक्कमपुडी और पूर्विशा एस राम को निता वायोलिना मारवाह और पुत्री सेकाह की इंडोनेशिया की जोड़ी के खिलाफ 8-21 7-21 से हार का सामना करना पड़ा। अश्विनी और एन सिक्की रेड्डी की राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जोड़ी को ली सोही और शिन स्युंगचान की कोरिया की दूसरी वरीय जोड़ी के हाथों 17-21 13-21 से हार मिली।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के मालिक ने आईपीएल फ्रेंचाइजी के लिए दिखाई रुचि

मुंबई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) दुनिया में सबसे प्रसिद्ध टूर्नामेंट है और इसलिए विदेशी निवेशकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। इस क्रम में आईपीएल के अगले सीजन में दो नई फेंचाइजी जुड़ने के लिए तैयार है। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट में कहा गया कि ग्लेजर परिवार, जिसके पास दुनिया के मैनचेस्टर यूनाइटेड सहित कई खेल संपत्तियां हैं, (जो कि दुनिया के सबसे महंगे क्लबों में से एक है) वह अब आईपीएल से जुड़ एक नई टीम के मालिक बनने में रुचि दिखाई है। उन्होंने नई फेंचाइजी से जुड़ने के लिए सभी दस्तावेज मंगवाया है हालांकि ओटीटी दस्तावेज लेने के बाद इसकी कोई गारंटी नहीं है ग्लेजर परिवार फ्रैंचाइजी के लिए बोली लगाएगा, क्योंकि अगर उनकी बोली सफल होती है तो इसके लिए उनको भारत में एक कंपनी खोलनी पड़ेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि बोली दस्तावेज लेने वालों में अदानी समूह, टोरेंट फार्मा, अरबिंदो फार्मा, आरपी-संजीव गोयनका समूह, हिंदुस्तान टाइम्स मीडिया, जिंदल स्टील (नवीन जिंदल के नेतृत्व में), उद्यमी रोनी स्क्रूवाला और तीन निजी इक्विटी खिलाड़ी शामिल हैं।

बीसीसीआई ने हाल ही में एक नोटिस जारी किया है जिसमें दो नई फ्रेंचाइजी से जुड़ने के लिए इच्छुक पार्टियों से बोलियां मांगी गई हैं क्योंकि यह अगले साल की खिलाड़ियों की मेगा नीलामी से पहले इस बारे में जानकारी लेना जरूरी है।

बार्सिलोना ने यूएफा चैंपियंस लीग में डॉयनेमो कीव को हराया

बार्सिलोना। बार्सिलोना ने यूएफा चैंपियंस लीग में डॉयनेमो कीव को हराकर पहला अंक अर्जित किया।बार्सिलोना की ओर से जेरार्ड पीक ने खेल के 36वें मिनट में एकमात्र गोल किया जिससे टीम को 1-0 की बढ़त मिल गई। इस जीत के साथ वह अपने यूएफा चैंपियस लीग के अंतिम 16 में जगह बनाने के उम्मीदों को जिंदा रखा है। इससे पहले बार्सिलोना की टीमो को बायर्न म्यूनिख और बेनफिका से 3-0 से हार झेलनी पड़ी थी। डॉयनेमो की टीम लगातार गोल की तालाश में रही पर उन्हें निराशा हाथ लगी। बार्सिलोना ने लागतार अक्रमकता से खेलते रहे और एक गोल करने में कामयाब हुए।पीक ने गोल करने के अलावा डिफेंस में भी अपना काफी योगदान दिया और डायनमों के स्ट्राइकरों को गोल करने से रोकते रहे। अब बार्सिलोना एल क्लासिको में रविवार को रियल मैड्रिड का सामना करेगा।

आईपीएल में दो नई टीमें उतारने के लिए इन्होंने दिखाई दिलचस्पी, इस दिन हो सकती है नीलामी

बीसीसीआई की कमाई का सबसे बड़ा जरिया आईपीएल है. इस टूर्नामेंट से हर साल बीसीसीआई की करोड़ों में कमाई होती है. अगले साल से आईपीएल में दो नई टीमें और खेलती हुई नजर आएंगी. इस वजह से आईपीएल 2022 से पहले मेगा नीलामी का आयोजन होगा. यही वजह है कि अंग्रेजी बिजनेसमैन भी आईपीएल टीम खरीदना चाहते हैं. ऐसी खबर मिली है कि मैनचेस्टर यूनाइटेड जैसे फुटबॉल क्लब के मालिकों ने आईपीएल में टीम खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है. हाल ही में बीसीसीआई ने इसके लिए टेंडर जारी किया था और ऑक्शन की प्रक्रिया अभी भी जारी है. कई भारतीय कंपनियों ने भी आईपीएल टीम बनाने में दिलचस्पी दिखाई है. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक,

मैनचेस्टर यूनाइटेड के मालिकों ने रुचि दिखाई है. सूत्र ने कहा- हां, यह सच है कि उन्होंने दिलचस्पी दिखाई है और यही एक कारण हो सकता है कि बीसीसीआई ने डेडलाइन आगे बढ़ा दी है. आईपीएल केवल भारत तक ही सीमित नहीं है. यह एक वैश्विक इकाई है. बता दें कि आईपीएल की गवर्निंग काउंसिल ने 31 अगस्त 2021 को नॉन-रिफंडेबल टेंडर फीस के भुगतान पर उपलब्ध 'इनविटेशन टू टेंडर' दस्तावेज जारी किए थे. मीडिया रिपोर्ट की मानें तो अडानी ग्रुप, संजीव गोयनका ग्रुप, दो बड़ी फार्मा कंपनियां (टोरेंट और अरबिंदो) के अलावा कोटक ग्रुप ने भी आईपीएल में अपनी टीम में बनाने में दिलचस्पी दिखाई है. खबर तो यह भी है कि 20 बड़े बिजनेसमैन और कंपनियों ने इसमें दिलचस्पी दिखाई है और 25 अक्टूबर को दुबई में आईपीएल की नई टीमों के लिए ऑक्शन हो सकता है.

संक्षिप्त समाचार

डेनमार्क ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची सिंधू

ओडेन्से (डेनमार्क) : भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू ने गुरुवार को यहां तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफन को हराकर डेनमार्क ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सिंधू ने अंतिम 16 के मुकाबले में बुसानन को 67 मिनट में 21-16, 12-21, 21-15 से शिकस्त दी। अगस्त में तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद यह सिंधू का पहला टूर्नामेंट है। भारत के महानतम ओलंपियन में शामिल सिंधू ने तरोताजा होने के लिए ब्रेक लिया और इस टूर्नामेंट के साथ वापसी की। आज ही लक्ष्य सेन का सामना पुरुष एकल में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन से होगा जबकि समीर वर्मा मेजबान देश के एंडर्स एंटोनसेन से भिड़ेंगे।

टी20 विश्व कप : मैं आज टीम में योगदान करने में सक्षम होने पर खुश हूं : विसे

अबू धाबी। नामीबिया के हरफनमौला खिलाड़ी डेविड विसे ने कहा कि वह बुधवार को शेख जायद स्टेडियम में नीदरलैंड पर अपनी टीम की जीत में योगदान देकर खुश हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी योग्यता साबित करना चाहते हैं और नामीबिया के साथ अपने पहले टूर्नामेंट में अच्छा प्रभाव डालना चाहते हैं।विसे ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह निश्चित रूप से ऊपर है, बस इसे अंत तक देखना हमेशा अच्छा होता है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आप अपनी टीम को लाइन पर ले जाएं। जैसा मैंने कहा, टूर्नामेंट में अग्रणी, यह मेरा पहला टूर्नामेंट है जो नामीबिया के लिए खेला जा रहा है। आप हमेशा एक अच्छा प्रभाव बनाना चाहते हैं और लोगों को दिखाना चाहते हैं और अपनी योग्यता साबित करना चाहते हैं। इस टूर्नामेंट में आगे बढ़ना मेरे लिए थोड़ा कमजोर रहा है, इसलिए मैं आज टीम में योगदान करने और इसे हासिल करने में सक्षम होने पर खुश हूं। 165 रनों का पीछा करते हुए नामीबिया 8.2 ओवर में 52/3 पर आ गया। विसे ने 51 गेंदों में 93 रनों का जवाबी हमला किया, जिसमें कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने 40 गेंदों में नाबाद 66 रनों की पारी खेली और नामीबिया को पुरुषों के टी20 विश्व कप में अपनी पहली जीत के लिए लाइन में खड़ा कर दिया। अपनी पारी के अलावा, विसे ने रूलोफ वैन डेर मेर्वे का विकेट भी लिया।

हिमा दास की कोविड-19 रिपोर्ट आई नेगेटिव, कहा- आपके प्यार भरे संदेशों के लिए धन्यवाद

नई दिल्ली :

भारत की स्टार फर्राटा धाविका हिमा दास ने गुरुवार को घोषणा की कि वह कोविड-19 परीक्षण में नेगेटिव पाई गई हैं। पिछले हफ्ते पटियाला में राष्ट्रीय शिविर के लिए लौटने पर 21 साल की हिमा कोविड-19 पॉजिटिव पाई गई थी। पैर की मांसपेशियों में चोट के बाद वापसी कर रही हिमा ने ट्विटर के जरिए यह जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'मुझे सभी को यह बताते हुए खुशी है कि मैं कोविड-19 नेगेटिव पाई गई हूं। आपके प्यार भरे संदेशों के लिए सभी को धन्यवाद। ट्रैक पर वापसी के लिए और इंतजार नहीं कर सकती। उम्मीद करती हूं कि सभी सुरक्षित और स्वस्थ होंगे।' हिमा 200 मीटर में 22.80 का क्वालीफाइंग स्तर हासिल करने में नाकाम रहने के कारण तोक्यो ओलंपिक में जगह नहीं बना पाई थी। उन्होंने इस साल मार्च में फेडरेशन कप में 23.21 सेकेंड का समय लिया था। इसके बाद पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण राष्ट्रीय चैंपियनशिप के जरिए ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का मौका उनके हाथ से छिन गया। हिमा ने चोट से उबरने के लिए ब्रेक लिया था। हिमा ने 2018 में फिनलैंड में विश्व जूनियर चैंपियनशिप में 400 मीटर का स्वर्ण पदक जीतकर सुर्खियां बटोरी थी। वह विश्व खिताब जीतने वाली पहली भारतीय फर्राटा धाविका थी।

वह 2018 एशियाई खेलों में व्यक्तिगत 400 मीटर का रजत पदक जीतने के अलावा स्वर्ण पदक जीतने वाले महिला चार गुणा 400 मीटर रिले और मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले टीमों का भी हिस्सा थी।

एफआईएच ने जूनियर विश्व कपों का शैड्यूल जारी किया

लौसाने (स्विट्जरलैंड) ।

अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (आईएफएच) ने आगामी पुरुष एवं महिला एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप का शैड्यूल जारी करने के साथ-साथ पूल की घोषणा कर दी है, जिसमें चार-चार टीमों के चार समूह बनाए गए हैं। एफआईएच की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप भारत 2021 का पहला मैच ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित कलिंगा स्टेडियम में 24 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका और बेल्जियम के बीच खेला जाएगा। इस शानदार आयोजन स्थल ने 2018 में आखिरी एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी की थी। हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप का फाइनल 5 दिसंबर को खेला जाएगा। उल्लेखनीय है कि इंग्लैंड द्वारा नाम वापस लेने के बाद पोलैंड इस टूर्नामेंट में शामिल होगा और पूल बी में टूर्नामेंट के मेजबानों और खिताब विजेताओं भारत, कनाडा और फ्रांस के साथ खेलेगा। पुरुष टूर्नामेंट की समाप्ति के साथ ही एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप दक्षिण अफ्रीका 2021 की शुरुआत 5 दिसंबर को आयरलैंड और जिम्बाब्वे के बीच मैच के साथ होगी, जो जोहान्सबर्ग के पश्चिम-दक्षिण पश्चिम से करीब 120 किमी की दूरी पर स्थित शहर पोटचेफस्ट्रूम की नॉर्थ-वेस्ट यूनिवर्सिटी (एनडब्ल्यूयू) में होगा। महिला जूनियर विश्व कप का फाइनल 16 दिसंबर को होगा। पुरुष विश्व कप के लिए बनाए गए पूल ए में बेल्जियम, चिली, मलेशिया और दक्षिण अफ्रीका, पूल बी में कनाडा, फ्रांस, भारत और पोलैंड, पूल सी में स्पेन, कोरिया, नीदरलैंड और अमेरिका तथा पूल डी में अर्जेंटीना, मिस्र, जर्मनी और पाकिस्तान मौजूद हैं। वहीं महिला विश्व कप में पूल ए में नीदरलैंड, कोरिया, आयरलैंड और जिम्बाब्वे, पूल बी में इंग्लैंड, बेल्जियम, कनाडा और उरुग्वे, पूल सी में अर्जेंटीना, भारत, जापान और रूस, जबकि पूल डी में मेजबान दक्षिण अफ्रीका के साथ जर्मनी, स्पेन और अमेरिका शामिल है।

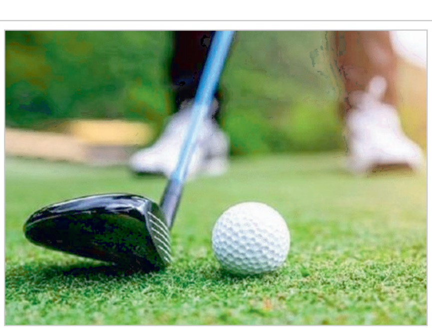

अमेच्योर अवनि ने शानदार कार्ड से एकल बढ़त बनायी

पंचकुला ।

अमेच्योर गोल्फर अवनि प्रशांत ने गुरूवार को यहां हीरो डब्ल्यूपीजीटी के 11वें चरण के दूसरे दौर में छह अंडर 66 का शानदार कार्ड खेला जिससे वह एक शॉट की बढ़त बनाये हैं। पहले दौर में 76 का कार्ड खेलने वाली अवनि ने दूसरे दौर में 10 शॉट का सुधार किया। उनका कुल स्कोर दो अंडर 142 है जिससे वह अमनदीप द्राल और प्रणवी उर्स पर एक शॉट की बढ़त बनाये हैं। अमनदीप ने दूसरे दौर में 73 का कार्ड खेला जिससे उनका कुल स्कोर एक अंडर 143 है।

श्रीलंका के कप्तान ने आयरलैंड से जीतने के बाद कहा- हसरंगा को टॉप ऑडर में उतारने का प्लान

अबू धाबी।

आईसीसी टी 20 विश्व कप क्वोलिफायर मैच में आयरलैंड से जीतने के बाद भी श्रीलंका के शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी फेल साबित हुई, क्योंकि मैच में एक समय पर 8 रन पर 3 विकेट खो चुकी थी। उनका बोर्ड पर 100 रन भी बना पाना मुश्किल लग रहा था। वहीं, अब टॉप क्रम के बल्लेबाजी को लेकर श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने कहा कि हम टॉप क्रम के बल्लेबाजी में बदलाव करेंगे।

श्रीलंका ने नामीबिया के खिलाफ अपना पहला क्वोलिफायर मैच जीता था और सुपर 12 में अपनी जगह सुरक्षित करने के लिए आयरलैंड के खिलाफ जीत हासिल करना जरूरी था। लेकिन महज आठ रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद वे टीम बेहद मुश्किल स्थिति में आ गई थी।हालांकि, लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा को टॉप क्रम में उतारने की योजना सफल रही थी क्योंकि हसरंगा ने 47 गेंदों में 71 और पेथम निसानका ने 47 गेंदों में 61 रनों की पारी की वजह से श्रीलंका एक मजबूत स्थिति में पहुंच सकी। कप्तान शनाका ने कहा कि हसरंगा को पांच पर प्रमोट करना एक योजना थी जिसे उन्होंने टी20 विश्व कप के लिए सोचा था और उनके प्रदर्शन से वे खुश हैं। शनाका ने कहा कि वह 3 विकेट पर 8 रन बनने पर थोड़ा चिंतित थे लेकिन अंत में हसरंगा और निसानका के बीच साझेदारी से टीम ने अच्छी वापसी की।उन्होंने कहा, बेशक यह 3 विकेट पर 8 पर एक चिंता का विषय था, लेकिन हसरंगा और निसानका ने एक शानदार साझेदारी की। हसरंगा की शानदार पारी ने श्रीलंका को 70 रनों की जीत के साथ टी20 विश्व कप के अगले दौर में जगह दिलाई।कप्तान शनाका ने अपने तेज गेंदबाजों चमिका करुणारत्ने और दुष्मंथा चमीरा से भी खुश है, जिन्होंने आयरलैंड को जल्दी चलता किया और टीम को एक अच्छी जीत दिलाने में मदद की। शनाका ने कहा, तेज गेंदबाजों का टीम में होना शानदार है, नेट पर किए गए प्रयासों का श्रेय उन दोनों को और कोचों को जाता है। शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी को ठीक करने के साथ-साथ क्षेत्ररक्षण भी ध्यान देना जरूरी होगा। मैच में 172 रनों का पीछा करते हुए आयरलैंड ने 2.3 ओवर में सलामी बल्लेबाज केविन ओब्रायन

(5) और पॉल स्टर्लिंग (7) को खो दिया। जहां ओब्रायन ने पहले ओवर में करुणारत्ने की गेंद पर शॉर्ट फाइन लेग पर शॉर्ट मारा था, वहीं तीक्षाना ने तीसरे ओवर में स्टर्लिंग को आउट किया। वहीं, दो ओवर बाद गैरेथ डेलानी को हसरंगा की एक गुगली ने बोल्ड कर दिया।

इंजमाम ने भारत को टी20 विश्व कप जीतने का प्रवल दावेदार बताया

मुंबई। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक ने भारत तो ओमान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में चल रहे टी20 विश्व कप जीतने का प्रवल दावेदार बताया है। इंजमाम को लगता है विराट कोहली की अगुवाई वाली टीम यूएई की परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन करेंगे, क्योंकि वह इन परिस्थियों को बेहतर समझते हैं। इंजमाम ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, हर टूर्नामेंट में कोई टीम प्रबल दावेदार होती है पर मुझे लगता है इस विश्व कप में भारत के जीतने की उम्मीद ज्यादा है क्योंकि वह इन परिस्थितियों को अच्छे से जानते हैं। उन्होंने कहा, भारत के बल्लेबाजों से ज्यादा गेंदबाजों के पास अनुभव है। अभी खेले गए इंडियन प्रीमयर लीग (आईपीएल) में हर गेंदबाज ने शानदार प्रदर्शन किया है। इंजमाम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के प्रदर्शन को खूब सराहा। उन्होंने कहा, भारत ने बड़ी आसानी से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला। भारत की टीम उप महाद्वीप की पिचों पर शानदार खेल दिखाते हैं। उन्होंने कहा अगर इस मैच को ही देखे तो उन्हें विराट कोहली की जरुरत भी नहीं पड़ी। इंजमाम ने सुपर 12 में 24 अक्टूबर को होने वाले भारत और पाकिस्तान के बीच के मुकाबलें में कौन सी टीम का पलड़ा भारी रहेगा यह नहीं बताया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अपने आहार पर करें फोकस आंखें रहेंगी अच्छी

सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ-साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है।

आंखें यकीनन व्यक्ति के शरीर का बेहद महत्वपूर्ण अंग है। छोटी सी आंखों की मदद से आप इतने बड़े संसार को देख पाते हैं। लेकिन आज के समय में जब लोग अपना ज्यादातर समय स्क्रीन पर बिताते हैं तो उसके कारण आंखों को काफी नुकसान पहुंचता है। यही कारण है कि बेहद कम उम्र में ही लोगों की आंखों पर चश्मा लग जाता है। लेकिन अगर आप लंबे समय तक अपनी आंखों की रोशनी को यूं ही बनाए रखना चाहते हैं तो जरूरी है कि आप अपने आहार पर भी फोकस करें। तो चलिए आज हम आपको उन आहार के बारे में बता रहे हैं जो आपकी आंखों के लिए काफी अच्छा है-

कच्ची लाल शिमला मिर्च

शिमलामिर्च में विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है। यह आपकी आंखों की रक्तवाहिकाओं के लिए अच्छा है। वहीं लाल शिमलामिर्च से आपको विटामिन ए और विटामिन ई भी प्राप्त होता है, जो आपकी आंखों को तंदरूस्त बनाने में मदद करता है।

सूरजमुखी के बीज और नट्स

सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ-साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है। इतना ही नहीं, यह मोतियाबिंद को रोकने में भी मददगार है। वैसे आप नट्स के साथ-साथ हेजलनट्स, मूंगफली और पीनटबटर का सेवन करके भी विटामिन ई पर्याप्त मात्रा में पा सकते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां

केल, पालक व अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों में विटामिन सी और ई की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इतना ही नहीं, इनमें कैरोटिनॉयड्स ल्यूटिन और जैक्सैंथिन भी होता है। साथ ही इनमें पाया जाने वाला विटामिन ए लंबे समय में आंखों की बीमारियों से भी व्यक्ति की रक्षा करता है।

सैल्मन

आपकी आंखों के रेटिना को सही काम करने के लिए दो प्रकार के ओमेगा-3 फैटी एसिड की आवश्यकता होती है- डीएचए और ईपीए। आप फैटी फिश, जैसे सैल्मन, ट्यूना और ट्राउट व अन्य कई सी-फूड में इसे पा सकते हैं। वहीं इन फैटी एसिड के कम होने पर लोगों को डाई आंखों की समस्या का सामना करना पड़ता है।

शकरकंद में बीटा-कैरोटीन उच्च मात्रा में पाया जाता है, जो वास्तव में विटामिन ए का ही एक रूप है। यह आपके नाइट विजन को बेहतर बनाता है। वहीं एक शकरकंद से आपको दैनिक आवश्यकता की आधे से ज्यादा विटामिन सी की प्राप्ति होती है, वहीं इसमें कुछ मात्रा में विटामिन ई भी पाया जाता है। वैसे शकरकंद के अलावा गाजर, कैंटालूप, आम और खुबानी में भी बीटा-कैरोटीन उच्च मात्रा में होता है।

लंच या डिनर से आधा घंटा पहले खाएं सलाद

सलाद लगभग हर जगह खाई जाती है। हां इसके रूप अलग-अलग हो सकते हैं। कहीं उबालकर तो कहीं भूनकर. हमारे यहां सलाद को ताजा सब्जियों जैसे खीरा, टमाटर, मूली, गाजर और कच्ची प्याज आदि से तैयार किया जाता है। क्योंकि यह सलाद कच्चा होता है और प्याज के अलावा ज्यादातर चीजें ऐसी होती हैं, जिन्हें अलग से खाया जा सकता है। इसलिए हमारे यहां भोजन के साथ सलाद खाने को वर्जित माना गया है। ये और बात है कि यंग जनरेशन को अपनी ही परंपराओं को बारे में जरा कम पता है!

सलाद खाना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। यह बात हम सभी जानते हैं। इसलिए फलों से लेकर सब्जियों और स्प्राउट्स की सलाद हमारे यहां खूब खाई जाती है। जबकि कुछ लोग या कहिए कि सलाद के शौकीन ज्यादातर लोग अपने शरीर को सलाद का पूरा पोषण नहीं दे पाते। क्योंकि उन्हें सलाद खाने का सही तरीका ही नहीं पता है.

सलाद खाने का सही समय

सलाद हमेशा ही भोजन से पहले खानी चाहिए। जबकि लगभग 90 प्रतिशत लोग सलाद का सेवन खाने के साथ करते हैं। इससे उनके शरीर को सलाद का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। बल्कि कई बार डायजेशन से संबंधित समस्याएं हो जाती है।

इतनी देर पहले खाएं

जब आपको भूख लगी हो या आपने जो भी अपने लंच और डिनर का समय तय कर रखा है, उससे कम से कम आधा घंटा पहले सलाद खा लें। इसके बाद लंच या डिनर लें। इससे आपके शरीर को पूरा पोषण मिलेगा और ओवर इटिंग से छुटकारा भी।

वेट रहता है कंट्रोल

सलाद अगर सही तरीके से खाई जाए तो इससे वेट को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। यह हमारे पाचनतंत्र को सही रखती है और पेट साफ करने में मदद करती है। यह शरीर में एक्सट्रा फैट जमा होने से रोकती है और हमें ओवर ईटिंग से भी बचाती है। जिससे हमारा वजन नियंत्रित रहता है।

सलाद के तरीके

आमतौर पर सलाद दो तरीके से बनाई जाती है। पहला तरीका का कच्चा सलाद, जिसमें आप फल और सब्जियों को काटकर मिक्स करते हैं और मसाला छिड़ककर सैलेड तैयार कर लेते हैं। जबकि दूसरा तरीका है वॉइल करके सैलेड तैयार करना। इसमें सब्जियों को उबालकर उनका पानी अलग करके सलाद तैयार किया जाता है। लेकिन आप कोई-सी भी सलाद खाए आपको इसे फुल मील के साथ नहीं खाना है।

क्यों ना खाएं भोजन संग सलाद

सलाद चाहे जैसे भी बनाई गई हो। अगर यह फलों या सब्जियों से तैयार की गई है तो आमतौर पर इनकी प्रकृति ठंडी होती है (हम यहां किसी रेसिपी विशेष की बात नहीं कर रहे हैं। क्योंकि हर तरह के भोजन को एक साथ डिस्क्राइब या कंपेयर नहीं किया जा सकता) जबकि पका हुआ भोजन गर्म होता है। ऐसे में ठंडे गर्म का संगम, सिर्फ शरीर ही नहीं दांतों को भी हानि पहुंचाता है।

पाचन में अधिक समय

सलाद तापमान में ठंडी होती है और भोजन तापमान में गर्म होता है। जब कच्चा और पका हुआ भोजन एक साथ खाया जाता है तो इससे हमारे पाचनतंत्र पर अधिक दबाव पड़ता है। क्योंकि इसे पचाने के लिए हमें अतिरिक्त ऊर्जा की जरूरत होती है। साथ ही ऐसा भोजन डायजेस्ट करने में अधिक समय भी लगता है, जिससे कई बार डायजेस्टिव सिस्टम गड़बड़ा जाता है।

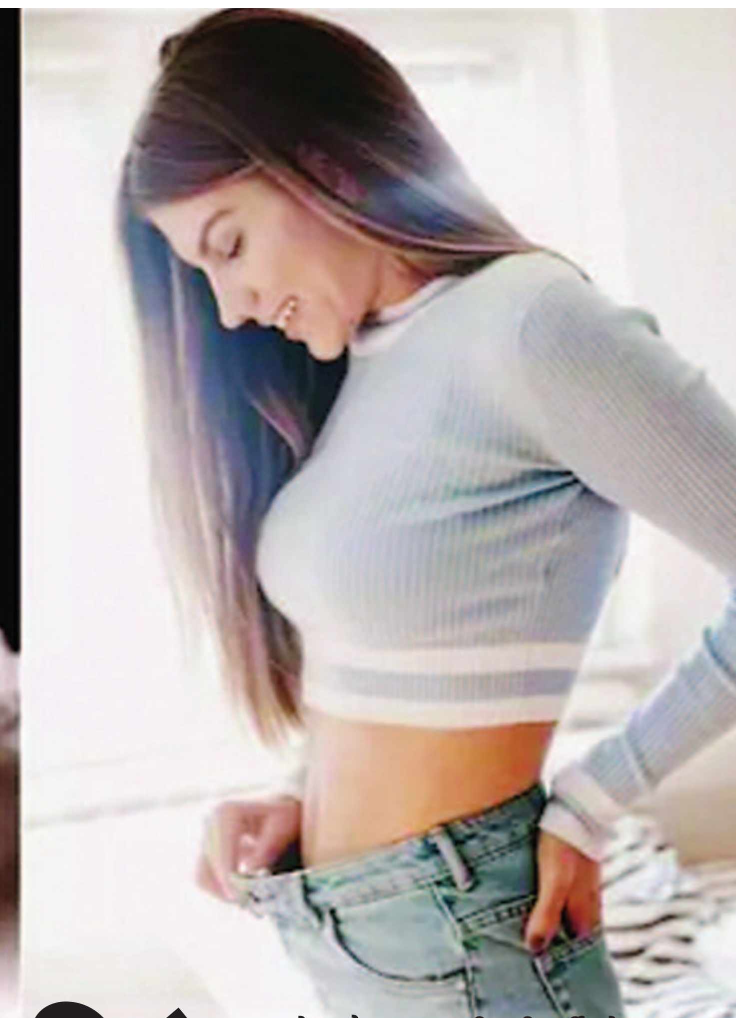

पेट और कमर की बढ़ी चर्बी को अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है। इसे रोज दूध के साथ पीने से जल्द ही लाभ मिलेगा। इसे पावडर के रूप में या फिर कैप्सूल के रूप में लिया जा सकता है।

अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है मोटापा

दूध में 1 चम्मच अश्वगंधा मिला कर पीने से दूर हो जाता है मोटापा, जानें कैसे करता है कामजड़ी बूटियों का आयुर्वेद में बहुत महत्व है। इनमें कई प्रकार के औषधीय गुण पाये जाते हैं जो बीमारियों को ठीक करने में मदद करती हैं और शरीर को निरोगी बनाए रखती हैं। अश्वगंधा एक ऐसी ही जड़ी बूटी है जो न सिर्फ स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करती है बल्कि वजन घटाने में भी बहुत प्रभावी होती है। अश्वगंधा का उपयोग न सिर्फ आयुर्वेद बल्कि यूनानी, सिद्ध, अफ्रीकन और होमियोपैथिक चिकित्सा पद्धति में भी किया जाता है। अश्वगंधा अनिद्रा, चिंता, डिप्रेशन, यौन समस्याएं, कमजोरी और अर्थराइटिस जैसे रोगों को इलाज में उपयोगी है। इसके अलावा अतिरिक्त फैट को बर्न करने में भी अश्वगंधा बहुत फायदेमंद हैं। आइये जानते हैं वजन घटाने में अश्वगंधा के फायदे। तो अगर आप नेचुरल तरीके से वजन घटाने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको अश्वगंधा का प्रयोग जरूर करना चाहिये.

अश्वगंधा का सेवन कैसे करें

वैसे आपको बाजार में अश्वगंधा कैप्सूल के रूप में मिल जाएगा। लेकिन अश्वगंधा पाउडर अधिक फायदेमंद होता है। इसे लेने का तरीका बेहद आसान है। एक गिलास गुनगुने दूध में एक चम्मच अश्वगंधा पावडर और शहद मिलाकर रोजाना सेवन करने से मेटाबोलिज्म और पाचन बेहतर होता है। आप चाहें तो इसका टेस्ट बढ़ाने के लिये इसमें इलायची पावडर मिक्स कर सकते हैं। इससे मेटाबॉलजिम तो बढ़ेगा ही साथ में पाचन भी मजबूत रहेगा।

सुस्त पड़े मेटाबॉलिज्म को बढ़ाए

अश्वगंधा हमारे पाचन तंत्र को मजबूत करती है, जिससे शरीर में खाना अच्छी तरह से हजम होता है और मेटाबोलिज्म बढ़ता है। यह फैट को जल्दी जल्दी बर्न करने में मदद करती है। अगर आप घंटो जिम में एक्सरसाइज करते हैं और स्लो मेटाबॉलिज्म की वजह से मोटापा कम नहीं हो पा रहा है तो आज से ही अश्वगंधा लेना शुरू कर दें। इससे कम समय में ही मोटापा कम हो जाता है।

स्ट्रेस दूर कर घटाए मोटापा

स्ट्रेस या कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ने से मोटापा भी बहुत तेजी से बढ़ता है। नियमित रूप से अश्वगंधा चूर्ण का सेवन करने से इस हार्मोन को कम करने में मदद मिलती है। कोर्टिसोल बढ़ने की वजह से इंसान को बार बार भूख भी लगती है, जिससे मोटापा बढ़ता है। तनाव से मुक्ति मिलते ही पेट की चर्बी घटने लगती है।

मांसपेशियां बनाने में

अश्वगंधा में ऐसे कई तत्व पाये जाते हैं जो मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। मसल्स मास बढ़ने से शरीर पर चर्बी नहीं जमती और वजन नियंत्रित रहता है।

इम्यूनिटी बढ़ा कर घटाए मोटापा

अश्वगंधा में एंटी बैक्टीरियल गुण होता है जो शरीर की सूजन को कम करता है। इसके अलावा यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है जिसके कारण शरीर पर अतिरिक्त वसा जमा नहीं होती है और वजन नियंत्रित रहता है। यही नहीं अगर शरीर में सूजन है तो यह उसको भी कम करती है क्योंकि इसमें एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

वर्कआउट के लिये बढ़ाती है एनर्जी लेवल

अश्वगंधा एड्रिनल ग्लैंड और कोर्टिसोल लेवल को नियंत्रित करता है जिससे तंत्रिका तंत्र मजबूत होता है। इससे शरीर की एनर्जी बढ़ती है और थकान दूर होती है। ऐसे में जब आप भारी वर्कआउट करते हैं तो अश्वगंधा शरीर को एनर्जी से भर देता है। यही नहीं अश्वगंधा आयरन से भरपूर होता है जो ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है

अच्छी नींद लाए

रात को अगर आप अधूरी नींद लेते हैं तो न तो आपको मोटापा घटेगा और ऊपर से शरीर को तनाव, उच्च रक्त चाप जैसी बीमारियां और घेर लेंगी। रात में सोते वक्त आपका शरीर हारमोन्स को संतुलित करता है और स्ट्रेस हार्मोन को बढ़ने से रोकता है। इससे मोटापा कम करने में मदद मिलेगी।

ध्यान रखें अश्वगंधा का सेवन सीमित मात्रा में ही करें। अत्यधिक सेवन से न सिर्फ उल्टियां हो सकती हैं बल्कि पेट गड़बड़ हो सकता है। लो ब्लड प्रेशर वाले लोग इसे न खाएं। नींद न आने पर अश्वगंधा का इस्तेमाल कुछ हद तक सही है, लेकिन नींद बुलाने के लिए इसका नियमित सेवन नुकसानदेह साबित हो सकता है। इस प्रकार औषधीय गुणों से भरपूर होने के कारण अश्वगंधा बीमारियों को दूर करने के अलावा वजन कम करने में भी बहुत फायदेमंद है। नियमित एक चम्मच अश्वगंधा पाउडर का सेवन करने से जल्दी की फर्क नजर आता है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जयशंकर ने भारत और इजराइल के बीच अकादमिक अनुसंधान के विस्तार पर चर्चा की

तेल अवी (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को यहां विभिन्न इजराइली विश्वविद्यालयों के प्रमुखों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान भविष्य में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए भारत तथा इजराइल के बीच अकादमिक अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग के विस्तार पर चर्चा की।

रविवार को यहां पहुंचे जयशंकर द्विपक्षीय सहयोग के नए क्षेत्रों की खोज के अलावा रणनीतिक संबंधों को और समृद्ध करने के भारत के प्रयासों के तहत इजराइल की पांच दिवसीय यात्रा पर हैं। विदेश मंत्री के तौर पर जयशंकर का इजराइल का यह पहला दौरा है।

जयशंकर ने बैठक की तस्वीरें साझा करते हुए ट्वीट किया, आज तेल अवीव में विश्वविद्यालयों के प्रमुखों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकों के माध्यम से

अकादमिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी सहयोग के विस्तार पर चर्चा की। उन्होंने अपना ट्वीट तेल अवीव विश्वविद्यालय, हिब्रू विश्वविद्यालय, टेक्नियन इज़राइल (इज़राइल प्रौद्योगिकी संस्थान) और बेन-गुरियन विश्वविद्यालय सहित कई इज़राइली संस्थानों को भी टैग किया।

जयशंकर ने कहा, हमारा सहयोग आने वाले वर्षों में भारत-इजराइल साझेदारी को आगे बढ़ाएगा। बुधवार को जयशंकर ने इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग और प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट से मुलाकात की थी और उनके साथ द्विपक्षीय संबंधों एवं क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा की थी।

जुलाई 2017 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इज़राइल की ऐतिहासिक यात्रा के दौरान भारत और इज़राइल ने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक विस्तारित किया था। तब से, दोनों देशों ने ज्ञान-आधारित साझेदारी के विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया है, जिसमें मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देने सहित नवाचार और अनुसंधान में सहयोग शामिल है।

आत्मघाती हमलावरों को तालिबान मानता है देश का नायक, परिजनों की कर रहा आर्थिक मदद

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान पर अपना रा स्थापित करने वाला तालिबान अंतरराष्ट्रीय समर्थन चाह है, लेकिन दूसरी तरफ आत्मघाती हमलावरों के परिज को जमीन और नकद पैसे देने में लगा है। आपको ब दें कि तालिबानी हमलावर अमेरिकी और अफगा सैनिकों को निशाना बनाते रहे हैं। हालांकि अफगानिस्त से अमेरिकी सैनिकों की पूरी तरह से वापसी हो चुकी

हमलावरों के परिजनों को मिला पुरस्कार

अंग्रेजी समाचार वेबसाइट 'टाइम्स नाऊ' मुताबिक, गृह मंत्रालय के प्रवक्ता सईद खोस्ती ने सोश मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर एक पोस्ट साझा किय जिसमें उन्होंने लिखा कि तालिबानी शासन में गृह मं सिराजुद्दीन हक्कानी ने काबुल के एक होटल में एकत्रि हुए आत्मघाती हमलावरों के परिजनों को नकद पुरस्क दिया। सईद खोस्ती ने बताया कि हक्कानी ने आत्मघा हमलों में मारे गए फिदायीनों की सराहना की। स खोस्ती ने इन्हें इस्लाम और देश का नायक बताया। उन्हे कहा कि हक्नी ने हमलावरों के प्रत्येक परिवार को 1 हजार अफगानी जो करीब 112 अमेरिकी डॉलर बराबर होता है, वो और जमीन का एक टुकड़ा दिय इसके साथ ही सईद खोस्ती ने हक्कानी की हमलावरों परिजनों के साथ गले मिलते हुए तस्वीरें भी साझा क इसके अलावा तालिबान अन्य विदेशी अधिकारियों साथ बैठक कर रहा है ताकि अफगानिस्तान के लिए कु अंतरराष्ट्रीय सहायता मिल सके।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हमलों को लेकर यूएससीआईआरएफ ने जताई चिंता, कहा- स्थिति काफी गंभीर

वाशिंगटन(एजेंसी)। धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिका के एक आयोग ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हाल में हुए हमलों से वह ''बहुत चिंतित'' है और प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार से हिंदू विरोधी भावनाओं को बढ़ावा देने वाले कट्टरपंथी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील करता है। दुर्गा पूजा के दौरान सोशल मीडिया पर आई कथित तौर पर ईश निंदा संबंधी एक पोस्ट के बाद बांग्लादेश में हिन्दू मंदिरों पर पिछले बुधवार से हमले बढ़ गए। भीड़ ने रविवार देर रात बांग्लादेश में हिन्दू समुदाय के लोगों के 66 मकान क्षतिग्रस्त कर दिए थे और कम से कम 20 घरों में आग लगा दी थी।

'यूएस कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम' (यूएससीआईआरएफ) की प्रमुख नादिन मेज़ा ने कहा, ''बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हाल ही में भड़की हिंसा से यूएससीआईआरएफ काफी चिंतित है। हम प्रधानमंत्री शेख हसीना के हिंसा पर काबू पाने के लिए अर्द्धसैनिक बल भेजने के कदम की सराहना करते हैं। हालांकि, हम अब भी बांग्लादेश सरकार से हिंदू विरोधी भावनाओं को बढ़ावा देने वाले कट्टरपंथी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील करते हैं।'' आयोग की आयुक्त अनुरिमा भार्गव ने कहा कि यूएससीआईआरएफ खासकर हिंदू पूजा स्थालों को अपवित्र करने और उन पर हमलों से चिंतित है। उन्होंने कहा, ''साम्प्रदायिक हिंसा में सैकड़ों लोग घायल हुए

हैं और कथित तौर पर कुछ लोग मारे भी गए हैं। यूएससीआईआरएफ, बांग्लादेश सरकार से हिंदू और देश के अन्य सभी समुदायों के अधिकारों तथा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और इन भयावह हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की अपील करता है।''

बांग्लादेश के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, देश में हाल ही में हुई साम्प्रदायिक झड़पों में कम से कम पांच लोग मारे गए हैं। अपुष्ट खबरों के अनुसार ये आंकड़ा सात होने की आशंका है। पुलिस ने बताया कि मंदिर पर हुए हमले के मामले में अभी तक 450 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है और अन्य लोगों की तलाश जारी है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मंगलवार को गृहमंत्री को उन लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए, जिन्होंने धर्म का इस्तेमाल कर हाल में हिंसा भड़काई थी। हसीना ने लोगों से तथ्यों की जांच किये बगैर सोशल मीडिया पर मौजूद किसी भी बात पर विश्वास नहीं करने को भी कहा था। मुस्लिम-बहुल बांग्लादेश की 16.9 करोड़ की आबादी में करीब 10 प्रतिशत हिंदू हैं। देश में वर्षों से हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की खबरें आती रही हैं। हिंसा में हिंदू समुदाय के घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ करना, आगजनी, बलात्कार और यौन हमले शामिल हैं।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री, आईएसआई प्रमुख तालिबान से वार्ता करने काबुल पहुंचे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। तालिबान के नेतृत्व वाली अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार के साथ वार्ता करने के लिए पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी और खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रमुख फैज हमीद बृहस्पतिवार को काबुल पहुंचे। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के मुताबिक, एक दिवसीय यात्रा के दौरान पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल अफगानिस्तान के कार्यकारी विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी के साथ वार्ता करेगा। साथ ही प्रतिनिधिमंडल काबुल की अंतरिम सरकार के नेतृत्व और अन्य अफगान नेताओं से मुलाकात करेगा। मुत्तकी ने काबुल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया।

विदेश कार्यालय ने कहा, वा के दौरान दोनों पक्षों के बी व्यापक द्विपक्षीय संबंधों पर च होगी और विभिन्न क्षेत्रों में सहये को गहरा करने के तरीकों पर ध्य केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने क कि विदेश मंत्री क्षेत्रीय शांति अं स्थिरता के मुद्दों पर पाकिस्तान दृष्टिकोण को भी साझा करेंगे। य यात्रा मॉस्को में हाल में हुई ची पाकिस्तान, अफगानिस्तान अं रूस के अधिकारियों की बैठक बाद हो रही है। इसके अलावा, इ यात्रा को तेहरान में अगले सप्त होने वाली अफगानिस्तान अं रूस के पड़ोसी देशों के विदे मंत्रियों की बैठक से पहले अह माना जा रहा है।

रूस ने अफगान वार्ता की मेजबानी की, समावेशी सरकार का आह्वान किया

मॉस्को (एजेंसी)। रूस ने बुधवार को अफगानिस्तान के मुद्दे पर वार्ता की मेजबानी की, जिसमें तालिबान और पड़ोसी देशों से वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हुए। वार्ता संबंधित मुद्दे पर रूस के कूटनीतिक प्रभाव को दर्शाती है।

वार्ता की शुरुआत करते हुए रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि अफगानिस्तान में स्थायी शांति के लिए ऐसी वास्तविक समावेशी सरकार के गठन की आवश्यकता है, जिसमें देश के सभी जातीय समूहों और राजनीतिक दलों के हित की झलक दिखे। रूस ने 2003 में तालिबान को आतंकवादी संगठन घोषित किया था, लेकिन इसके बावजूद वह इस समूह से संपर्क स्थापित करने के लिए वर्षों तक काम करता रहा। इस तरह के किसी भी समूह से संपर्क करना रूस के कानून के तहत दंडनीय है, लेकिन रूसी विदेश मंत्रालय ने मुद्दे पर विरोधाभास से संबंधित सवालों का जवाब देते हुए कहा है कि

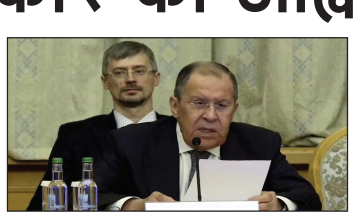

अफगानिस्तान में स्थिरता लाने में मदद के लिए तालिबान से बात करना आवश्यक है गत अगस्त में अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा होने के बाद अन्य देशों से इतर रूस ने वहां काबुल स्थित अपने दूतावास को खाली नहीं किया और तभी से इसके राजदूत तालिबान के प्रतिनिधियों से लगातार मुलाकात करते रहे हैं। लावरोव ने सम्मेलन में अपने उद्घाटन भाषण में अफगानिस्तान में स्थिति को स्थिर बनाने और सरकारी संस्थानों का संचालन सुनिश्चित करने के प्रयासों के लिए तालिबान की सराहना की। उन्होंने साथ ही अफगानिस्तान में मानवाधिकारों के सम्मान के महत्व पर भी जोर दिया। बुधवार की वार्ता में शामिल हुए तालिबान की अंतरिम सरकार के उपप्रधानमंत्री अब्दुल सलाम हनाफी ने कहा, ''पूरे देश की स्थिरता के लिए बैठक बहुत महत्वपूर्ण है।'' लावरोव ने कहा कि रूस जल्द ही अफगानिस्तान के लिए मानवीय मदद की खेप भेजेगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वह अफगानिस्तान में मानवीय संकट उत्पन्न होने से रोकने के लिए तुरंत अपने संसाधन लगाएं। पूर्ववर्ती सोवियत संघ ने अफगानिस्तान में 10 साल तक युद्ध लड़ा था, जिसका अंत 1989 में वहां से रूसी सैनिकों की वापसी के साथ हुआ। मॉस्को ने हाल के वर्षों में तालिबान के प्रतिनिधियों और अन्य पक्षों के साथ वार्ता की मेजबानी कर अफगानिस्तान के मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय वार्ता में एक सशक्तमध्यस्थ के रूप में वापसी की है। 'मॉस्को फॉर्मेट' की बैठक में तालिबान और अफगानिस्तान के अन्य गुटों के प्रतिनिधियों के साथ ही चीन, भारत, पाकिस्तान, ईरान और पूर्ववर्ती सोवियत संघ राष्ट्रों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

तालिबान ने महिला वॉलीबॉल खिलाड़ी का सिर कलम किया, टीम के कोच ने किया खुलासा

काबुल (एजेंसी)। तालिबान आतंकवादियों ने कथित तौर पर अफगान जूनियर महिला राष्ट्रीय वॉलीबॉल टीम की एक सदस्य का सिर कलम कर दिया। टीम के कोच के बयान के आधार पर यह खबर सामने आई है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार एक साक्षात्कार में कोच सुराया अफजाली (बदला हुआ नाम) ने कहा कि महजबीन हकीमी नाम की एक महिला खिलाड़ी को तालिबान ने अक्टूबर में मार डाला था। लेकिन किसी को भी इस भीषण हत्या के बारे में पता नहीं चला क्योंकि विद्रोहियों ने उसके परिवार को इस बारे में बात न करने की धमकी दी थी।

महजबीन अशरफ गनी सरक के पतन से पहले काबुल न पालिका वॉलीबॉल क्लब की अं से खेलती थीं। वह क्लब की स्ट खिलाड़ी थीं। फिर, कुछ दिनों पहले उनके कटे हुए सिर और खून लथपथ गर्दन की तस्वीरें सोश मीडिया पर सामने आईं। इंडिया टु की रिपोर्ट में कोच के हवाले कहा गया है कि अगस्त में तालिब के पूर्ण नियंत्रण से पहले टीम केवल दो खिलाड़ी देश से भागने में सफल हु महजबीन हकीमी उन कई अन्य दुर्भाग्यपूर्ण महिल खिलाड़ियों में शामिल थीं जो यहां रह गई थीं।

तालिबान के सत्ता में आने के बाद खेलों, खा तौर पर महिलाओं के खेलों पर कड़े प्रतिबंध लग शुरू कर दिए। इसके साथ ही महिला एथलीटों क पहचान करके उन्हें मारने की कोशिश शुरू कर दं अफजाली ने दावा किया कि आतंकवादी अफग महिला वॉलीबॉल टीम के सदस्यों की तलाश में जिन्होंने विदेशी और घरेलू प्रतियोगिताओं में भ लिया और मीडिया कार्यक्रमों में भाग लिया।

उत्तर कोरिया ने पनडुब्बी से दागी जाने वाली मिसाइल के परीक्षण की पुष्टि की

सियोल एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने बुधवार को घोषणा की कि उसने एक ऐसी मिसाइल का परीक्षण किया है, जो पनडुब्बी से दागी जा सकती है। पिछले दो वर्षों में इस तरह के आधुनिक हथियार का यह पहला परीक्षण है और प्योंगयांग ने कहा कि वह अपनी सेना की पानी के भीतर अभियान क्षमता का विस्तार करना चाहती है। सितंबर के बाद से मंगलवार का यह परीक्षण मिसाइल प्रक्षेपण का पांचवां दौर था और यह उत्तर कोरिया की तरफ से सियोल और वाशिंगटन पर दबाव डालने की कोशिश है क्योंकि प्योंगयांग अमेरिका-दक्षिण कोरिया के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास और खुद पर लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को शत्रुतापूर्ण नीतियों के रूप में देखता है।

उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी-कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि ताजा परीक्षण देश की रक्षा प्रौद्योगिकी को उच्च स्तर पर रखने और नौसेना की पानी के भीतर अभियान क्षमता के विस्तार में बड़ा योगदान देगा। उत्तर कोरिया के पड़ोसियों ने मंगलवार को कहा कि उन्हें उत्तर कोरिया की तरफ से परीक्षण का पता लगा और यह हथियार कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच जलक्षेत्र में गिरा। दक्षिण कोरिया की सेना ने मिसाइल को पनडुब्बी से कम दूरी से दागे जाने वाला हथियार बताया है। सियोल ने कहा कि यह मिसाइल सिनपो के पूर्वी बंदरगाह के समीप जल से दागी गई, जहां पनडुब्बियों का निर्माण करनेवाला उत्तर कोरिया का बड़ा शिपयार्ड है। उत्तर कोरिया की ओर से जारी तस्वीरों में समुद्र में से एक मिसाइल उठते हुए और फिर धुएं के गुबार से चिंगारी निकलते दिखाई दे रही है।

वहीं एक तस्वीर में ऊपर का हिस्सा भी दिखा है, जो समुद्र की सतह पर पनडुब्बी जैसा प्रतीत होता है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के सत्ता संभालने के बाद से उत्तर कोरिया द्वारा किया गया यह सबसे आधुनिक हथियार का प्रक्षेपण है। उत्तर कोरिया पर बाइडन के विशेष दूत सुंग किम के सियोल की यात्रा करने और प्योंगयांग के साथ कूटनीति को पुनर्जीवित करने की संभावनाओं पर सहयोगियों से चर्चा करने के कुछ दिन पहले मिसाइल का परीक्षण किया गया। वाशिंगटन में दक्षिण कोरिया और जापानी समकक्ष के साथ एक बैठक में किम ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका इस परीक्षण की निंदा करता है। वहीं उन्होंने प्योंगयांग से आगे और तनाव को बढ़ाने से बचने की अपील की।

सार समाचार

नेपाल में भूस्खलन व बाढ़ से 48 लोगों की मौत, प्रधानमंत्री ने की राहत की घोषणा

काठमांडू। नेपाल में भारी बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ से पिछले 48 घंटे में 48 लोगों की मौत हो गई जबकि 31 लापता हैं। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि राहत और बचाव कार्य के लिए सेना तथा पुलिस को लगाया गया है। गृह मंत्रालय के अनुसार, पूर्वी नेपाल के इलम जिले में सबसे ज्यादा 11 लोगों की मौत हुई। इसके अलावा दोती में नौ लोगों को जान गंवानी पड़ी। मंत्रालय के प्रवक्ता फणीन्द्र मणि पोखरेल के अनुसार हुमला, धनकुटा और पंचथर में भूस्खलन के कारण छह-छह लोगों की मौत हो गयी। इसके अलावा बैतड़ी में चार, कालिकोट, डडेलधुरा, प्यूथन और उदयपुर में एक-एक तथा सुनसरी में दो लोगों की मौत हुई। इस बीच प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने मृतकों के परिजनों और बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत की घोषणा की है।

पाकिस्तान में बम विस्फोट में चार लोगों की मौत

पेशावर। अफगानिस्तान की सीमा से लगे पाकिस्तान के अशांत कबायली जिले में बुधवार को एक शक्तिशाली बम विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। जिला पुलिस अधिकारी समद खान ने बताया कि बाजौर कबायली जिले के टियारा बंदगई क्षेत्र के तहसील ममोंद में बम विस्फोट हुआ। मृतकों में दो सुरक्षाकर्मी और दो पुलिसकर्मी शामिल हैं। पुलिस और सुरक्षा बलों ने बम विस्फोट के दोषियों की गिरफ्तारी के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

मस्जिद जाने में भी लगता है डर, खुदा का नाम लेकर जाते हैं; अफगानिस्तान के शियाओं की आप बीती

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से अल्पसंख्यक समुदाय के लोग डरे हुए हैं। हजारा और शिया समुदाय के लोगों को लगातार टारगेट किया जा रहा है। पिछले दो शुक्रवार को जुम्मे की नमाज के दौरान मस्जिदों में आत्मघाती बम विस्फोट कर शिया लोगों को निशाना बनाया गया है। इन हमलों की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली है। रिपोर्ट्स बताते हैं कि अल्पसंख्यक समुदाय के लोग डर के मारे मस्जिदों में नहीं जा रहे हैं। कई लोगों ने कहा है कि वह घर से निकलते हुए अल्लाह से दुआ करते हैं कि वह सही सलामत घर लौटें क्योंकि उन्हें यकीन नहीं है कि वह जिंदा घर लौटेंगे। बता दें कि पिछले तालिबान शासन के दौरान भी अल्पसंख्यों को बुरी तरह से टारगेट किया गया था। इन अल्पसंख्यकों को सुन्नी चरमपंथियों द्वारा सच्चे मुसलमान के तौर पर नहीं देखा जाता है। एक अनुमान के मुताबिक अफगानिस्तान की कुल आबादी में करीब 15 फीसद लोग शिया मुस्लिम हैं। इसमें ताजिक, पश्तून और हजारा भी शामिल हैं। ये अल्पसंख्यक अफगान राजनीति की जातीय और आर्थिक प्रतिद्वंद्विता के शिकार भी रहे हैं। हालांकि तालिबान ने वादा किया है कि अफगानिस्तान के सभी जातीय समूहों की रक्षा की जाएगी लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा है। तालिबान अधिकारियों ने पिछले हफ्ते शिया मस्जिदों में सुरक्षा बढ़ाने का वादा किया था लेकिन लोगों को भरोसा नहीं है। अफगानिस्तान में आत्मघाती हमलों में इतने लोग मारे गए हैं कि उनका काबुल में एक विशेष कब्रिस्तान है, जिसे शहीदों का बगीचा कहा जाता है।

महिला अधिकार रैली में मीडिया पर तालिबान का हमला

तालिबान ने काबुल में महिला अधिकारों के समर्थन में हो रहे एक प्रदर्शन के मीडिया कवरेज को रोकने के लिए कई पत्रकारों पर हमला कर दिया. महिलाएं घर से बाहर निकलने, पढ़ने और काम करने के अधिकारों की मांग कर रही थीं.प्रदर्शन में करीब 20 महिलाएं काबुल स्थित शिक्षा मंत्रालय के पास से वित्त मंत्रालय तक जुलूस निकाल रही थीं. उन्होंने सर पर रंग बिरंगे स्कार्फ पहन रखे थे और वो फशिक्षा का राजनीतिकरण मत करोफ जैसे नारे लगा रही थीं. उन्होंने अपने हाथों में पोस्टर उठाए हुए थे, जिन पर लिखा था, फहमारे पास पढ़ने और काम करने के अधिकार नहीं हैंफ और फबेरोजगारी, गरीबी, भूखफ. वहां मौजूद पत्रकारों के मुताबिक तालिबान के कर्मियों ने महिलाओं को करीब डेढ़ घंटे तक आजादी से जुलूस निकालने दिया लेकिन पत्रकारों को मारा पीटा. तालिबान के एक लड़ाके ने एक विदेशी पत्रकार को गाली दी, लात मारी और फिर बंदूक के हत्थे से मारा. एक और लड़ाके ने भी उस पत्रकार को मारा. कम से कम दो और पत्रकारों पर हमला हुआ और जब वो वहां से जाने लगे तो तालिबान के लड़ाकों ने घूंसे और लातें मारते हुए उनका पीछा भी किया. प्रदर्शन के आयोजकों में से एक जहरा मोहम्मदी ने बताया कि महिलाएं जोखिम होने के बावजूद चलती रहीं।

सीरिया की राजधानी दमिश्क में दो बम विस्फोट, चपेट में आई सेना की बस, 13 लोगों की मौत

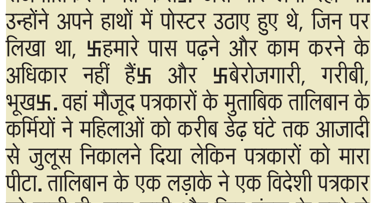

दमिश्क। सीरिया की राजधानी दमिश्क में बुधवार को सड़क के किनारे लगाए गए दो बम में विस्फोट हो गया और सेना की एक बस के उसकी चपेट में आने से 13 लोगों की मौत हो गई तथा कई अन्य घायल हो गए। सीरिया के सरकारी टीवी चैनल पर दिखाए जा रहे फुटेज में मध्य दमिश्क में विस्फोट में क्षतिग्रस्त हुई बस नजर आ रही है। खबर में बताया गया कि हादसा जब हुआ, तब लोग अपने काम पर और बच्चे स्कूल जा रहे थे। सरकारी बलों के उपनगरों पर कब्जा करने के बाद से दमिश्क में हाल के वर्षों में इस तरह के हमले कम हो गए हैं। पहले वे उपनगर विद्रोहियों के कब्जे में थे। मार्च 2011 में शुरू हुए सीरिया के संघर्ष में 3,50,000 से अधिक लोग मारे गए और देश की आधी आबादी विस्थापित हुई है।

सार समाचार

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद

सूरी (प.बंगाल)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह बरामदगी बुधवार की रात रामपुरहाट थाना क्षेत्र के मझखंडा गांव में राजमार्ग के पास ''संदिग्ध'' तरीके से खड़े एक वाहन से की गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने वाहन से 2,600 डेटोनेटर और जिलेटिन की 5,500 छड़ें बरामद कीं। पुलिस ने कहा कि जब वाहन को देखा गया तो उसमें कोई नहीं था। पुलिस अधीक्षक नागेंद्रनाथ त्रिपाठी ने कहा, ''वाहन के मालिक और चालक का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

दिल्ली मेट्रो ने कोविड टीके की 100 करोड़ खुराक की उपलब्धि पर संदेश प्रदर्शित किये

नयी दिल्ली। कोविड रोधी टीकाकरण अभियान में बृहस्पतिवार को भारत के 100 करोड़ खुराक के आंकड़े को पार करने के बाद दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने अपनी सार्वजनिक संबोधन प्रणालियों के माध्यम से घोषणाएं कीं और ''महत्वपूर्ण उपलब्धि'' को दर्शाने के लिए ट्रेनों और स्टेशनों में अपने पैनलों पर संदेश प्रदर्शित किए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। डीएमआरसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''देश द्वारा इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को चिह्नित करने के लिए ट्रेनों और स्टेशनों सहित दिल्ली मेट्रो नेटवर्क में सार्वजनिक संबोधन प्रणालियों के साथ-साथ ऑडियो विजुअल स्क्रीन के माध्यम से कोविड-19 टीके संबंधी उपलब्धि के बारे में जानकारी साझा की जा रही है।'' उन्होंने बताया कि सार्वजनिक संबोधन प्रणालियों के माध्यम से घोषणाएं कर यात्रियों को इस उपलब्धि के बारे में जानकारी दी गई और ट्रेनों तथा स्टेशनों में पैनलों पर संदेश भी प्रदर्शित किए गये। भारत में कोविड-19 टीकों की अब तक दी गई खुराकों की संख्या बृहस्पतिवार को 100 करोड़ के पार चली गई और इसी के साथ देश ने कोरोना वायरस के खिलाफ अपने टीकाकरण कार्यक्रम में एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में कोविड-19 रोधी टीकों की अब तक दी गई खुराक की संख्या 100 करोड़ के पार होने पर कहा कि भारत ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने टीकाकरण की इस उपलब्धि को भारतीय विज्ञान, उद्यमों और 130 करोड़ भारतीयों की सामूहिक भावना की जीत करार दिया।

पश्चिम बंगाल में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक ही परिवार के दो लोगों की मौत

मालदा (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक ही परिवार के दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना गजोल पुलिस थाना क्षेत्र के अलाल ग्राम पंचायत इलाके में बुधवार को उस समय हुई जब पीड़ित धान की खेत में काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि मनीरुज्जामन (36) और उनके भतीजे आमिर हुसैन (14) की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए मालदा मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है।

गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री का बड़ा दावा, कोरोना को हमने 99 फीसदी भगा दिया

नयी दिल्ली। गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने देश में कोरोना वैक्सीन की अब तक दी गई डोज का आंकड़ा 100 करोड़ के पार पहुंचने पर देशवासियों को बधाई दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि कोरोना को हमने लगभग 99 फीसदी भगा दिया है। आपको बता दें कि भारत में 16 जनवरी से वैक्सीनेशन की शुरुआत हुई थी। जिसमें फ्रंटलाइन वर्कर्स को वैक्सीन की डोज दी गई थी।

बीजेपी मुख्यालय में मनाया गया जनसंघ का 70वां स्थापना दिवस

भोपाल। मध्य प्रदेश बीजेपी ने गुरुवार को सभी मंडलों में दीपक से कमल तक थीम पर जनसंघ का 70 वां स्थापना दिवस मनाया। बीजेपी की यात्रा के प्रतीक के रूप में सार्वजनिक स्थानों, चौक चौराहो और प्रमुख बाजारों में कमल की आकृति की रंगोली बनाकर दीप जलाएं। भोपाल स्थित बीजेपी कार्यालय में भी दीप, कमल और रंगोली बनाकर दीप जलाएं। इस अवसर पर मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में आज के ही दिन जनसंघ की स्थापना हुई थी। आज 70 वर्ष पूरे हो रहे है। पूरे मध्य प्रदेश में प्रत्येक मतदान केन्द्र पर बीजेपी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता कमल का चिन्ह बनाकर दीपक प्रज्जवलित कर रहे है।

गाजीपुर बॉर्डर पर किसानों ने खोला रास्ता, टिकैत बोले- हमने सड़क नहीं रोकी, पुलिस ने लगाए बैरिकेड

नयी दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के सख्त टिप्पणी के बाद किसानों ने गाजीपुर बॉर्डर खाली करने की शुरुआत कर दी है। केंद्र सरकार द्वारा लाए गए तीन कृषि कानूनों के विरोध में किसान यहां कई महीनों से बैठे हुए हैं। किसानों ने दिल्ली-गाजीपुर बॉर्डर के पास एनएच 24 पर फ्लाईओवर के नीचे दिल्ली जाने वाली सर्विस लेन को बंद कर रखा था। हालांकि अब इसे खोल दिया गया है। किसानों ने रास्ता खोलने का फैसला सुप्रीम कोर्ट के ताजा टिप्पणी के बाद लिया है।

टिकैत का बयान:- आज फिर किसान नेता राकेश टिकैत अभी यहां पहुंचे थे। राकेश टिकैत ने कहा कि हम सब हटा देंगे। लेकिन इसके बाद हम दिल्ली जाएंगे और वहां पार्लियामेंट में बैठेंगे जहां कानून बनाया गया है। उन्होंने कहा कि कहा कि हमें तो दिल्ली जाना है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली जाना है या नहीं जाना है यह संयुक्त किसान मोर्चा तय करेगा। साथी साथ राकेश टिकैत ने दावा किया कि भारत सरकार जब तक कृषि कानूनों को वापस नहीं लेगी तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा।

जश्न से जख्म नहीं भरेंगे, प्रधानमंत्री बताएं कि 70 दिनों में 106 करोड़ खुराक कैसे दी जाएगी: कांग्रेस

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस ने देश में कोरोना रोधी टीकों की दी गई खुराक की संख्या के 100 करोड़ के पार होने के बाद बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को यह जवाब देना चाहिए कि साल 2021 के खत्म होने में शेष बचे 70 दिनों के भीतर देश के सभी वयस्कों का पूर्ण टीकाकरण कैसे किया जाएगा। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह दावा भी किया कि जश्न मनाने से लोगों के जख्म नहीं भरने वाले हैं और इस सरकार अपने कोरोना कुप्रबंधन के कारण लाखों लोगों की जान जाने की जवाबदेही से नहीं बच सकती।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को एक 'कोरोना जांच आयोग' का गठन करना चाहिए ताकि नरेंद्र मोदी सरकार की लापरवाही की जांच हो और मरने वालों का फिर से सर्वेक्षण कर पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा दिया जा सके। कांग्रेस महासचिव ने संवाददाताओं से कहा, ''हम चिकित्सकों, नर्सों, पैरामेडिकल के कर्मचारियों, अस्पतालों का आभार प्रकट करते हैं। 100 करोड़ खुराक के लिए पूरा देश उनका कृतज्ञ है।'' उन्होंने दावा किया, ''प्रधानमंत्री मोदी जी और उनकी सरकार एक बार फिर स्वांग कर खुद का पीठ थपथपाने में लगी हैं। मोदी सरकार जान ले कि जश्न मनाने से जख्म नहीं भरने वाले हैं। मोदी सरकार के निकम्मेपन और आपराधिक लापरवाही के कारण देशवासियों की जान जोखिम में डालने के लिए जवाबदेही का हिसाब मांगने का समय आ गया है।'' उन्होंने कहा, ''देश के 74 करोड़ वयस्क भारतीयों को 106 करोड़ खुराक कब तक दी जाएगी? देश में 103 करोड़ लोग वयस्क हैं। इनमें से 29 करोड़ लोगों को कोरोना रोधी टीकों की दोनों खुराक दी जा चुकी है।

यानी 42 करोड़ लोगों को एक खुराक दी गई है। इसका मतलब यह है कि 32 करोड़ वयस्क ऐसे हैं जिन्हें आज तक एक भी खुराक नहीं दी गई।'' सुरजेवाला ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने कहा था कि 31 दिसंबर, 2021 तक सब वयस्कों को दोनों खुराक दे दी जाएगी। अब 70 दिन बचे हैं।इसका मतलब यह है कि अभी रोजाना 1.51 करोड़ खुराक दी जानी चाहिए। लेकिन पिछले छह दिनों के रोजाना औसतन 39 लाख खुराक दी गई। हम जानना चाहते हैं कि 70 दिन में 106 करोड़ खुराक कैसे दी जाएगी?''

उन्होंने आरोप लगाया, ''जब देश के लोग कोरोना से ग्रस्त थे, ऑक्सीजन के लिए बेहाल थे, जरूरी दवाओं के लिए लाखों रुपये लिये जा रहे थे, अस्पतालों में बिस्तर नहीं थे, ऐसे समय भाजपा सरकार ने देशवासियों को असहाय छोड़ दिया था।'' गौरतलब है कि देश में कोविड-19 रोधी टीकों की अब तक दी गई खुराक का आंकड़ा बृहस्पतिवार को 100 करोड़ को पार कर गया।देश में टीकाकरण मुहिम की शुरुआत 16 जनवरी को हुई थी।

प्रियंका गांधी की नई घोषणा, कांग्रेस यूपी चुनाव जीती तो छात्राओं को मिलेगी स्कूटी और स्मार्टफोन

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव जीतने और वोटरों को लुभाने के लिए तमाम राजनैतिक दलों ने फ्री के ऑफर की झड़ी लगा दी है। आम आदमी पार्टी ने तीस सौ युनिट बिजली फ्री देने की बात कही थी तो अब कांग्रेस भी फ्री की राजनीति में कूद पड़ी है। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी ने यूपी

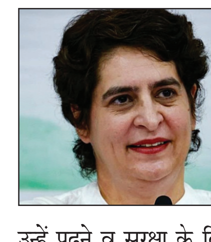

चुनाव के लिए महिलाओं को लेकर रोजाना नए-नए वादे कर रही हैं। इसी कड़ी में प्रियंका ने एक ट्वीट में लिखा है,'कल मैं कुछ छात्राओं से मिली,उन्होंने बताया कि उन्हें पढ़ने व सुरक्षा के लिए स्मार्टफोन की जरूरत है। मुझे खुशी है कि घोषणा समिति की सहमति से आज उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने निर्णय लिया है कि सरकार बनने पर इंटर पास लड़कियों को स्मार्टफोन और स्नातक लड़कियों को इलेक्ट्रानिक स्कूटी दी जाएगी। गौरतलब है कि प्रियंका यूपी के चुनावी संग्राम को लेकर खासा सक्रिय हो गई हैं और लगातार राज्य का दौरा कर रही हैं. इससे पहले हाल ही में राजधानी लखनऊ में हुई एक प्रेस कांफ्रेंस में ऐलान किया था कि कांग्रेस यूपी विधानसभा चुनाव में 40 प्रतिशत महिला उम्मीदवारों को उतारेगी। साथ ही उन्होंने कहा था कि मेरा बस चलता तो मैं 50 फीसदी टिकट दे देती।

गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तराखंड के बारिश प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया

देहरादून (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तराखंड में भारी बारिश सेप्रभावित क्षेत्रों में क्षति के आकलन के लिए बृहस्पतिवार को हवाई सर्वेक्षण किया। वहीं राज्य सरकार ने इस प्राकृतिक आपदा से करीब 7,000 करोड़ रुपये की क्षति होने की बात कही है। कुमाऊं क्षेत्र में प्रभावित इलाकों का सर्वेक्षण कर जॉली ग्रांट हवाई अड्डा लौटने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में शाह ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की एजेंसियों के अलर्ट रहने की वजह से नुकसान को कम करने में मदद मिली। इस बीच, सर्वाधिक प्रभावित कुमाऊं क्षेत्र में संपर्क बहाल करने और संवेदनशील इलाकों से लोगों को बाहर निकालने के प्रयासों के बीच राहत एव बचाव कार्य जारी है।

इससे पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य में तीन दिन तक लागातार बारिश से 7,000 करोड़ रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त सड़कों और पुलों के नेटवर्क को बहाल करना तथा फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालना इस समय प्राथमिकता है। शाह ने कहा, ''भारी बारिश का अलर्ट पहले से जारी होने की वजह से चारधाम यात्रा रोकने समेत अन्य एहतियाती कदम

उठाने में मदद मिली। अगर ऐसा नहीं किया गया होता तो और क्षति पहुंच सकती थी। समय पर तलाश एवं बचाव दलों को काम पर लगाने और बचाव अभियान में भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टर के शामिल होने की वजह से संभावित क्षति को कम करने में मदद मिली।'' उन्होंने कहा, ''बारिश से संबंधित दुखद घटनाओं में 64 लोगों की मौत हुई, जबकि 11 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं।'' राज्य सरकार के अधिकारियों के अनुसार राज्य में बारिश से संबंधित घटनाओं में मृतकों की संख्या बढ़कर 54 हो गई। वहीं 19 लोग घायल हैं और पांच लापता हैं।

नैनीताल जिले में अब तक सबसे ज्यादा 28 लोगों की मौत हुई है। केंद्रीय मंत्री ने तत्काल उत्तराखंड के लिए राहत पैकेज की घोषणा नहीं की। उन्होंने कहा कि पहले क्षति का विस्तृत आकलन तैयार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राज्य मेंप्राकृतिक आपदाओं के खतरे के मद्देनजर 250 करोड़ रुपये की राशि पहले ही दी जा चुकी है और इससे फिलहाल राहत एवं बचाव कार्यों के खर्च की पूर्ति हो सकती है। शाह ने कहा कि केंद्र राज्य सरकार के साथ है और वह इसके पुनर्वास कार्यों में सभी तरह की सहायता मुहैया कराएगा।

उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में सभी बंद सड़कों को साफ कर लिया गया है, सिवाय उनके जिसमें 25 मीटर चौड़ी दरार पड़ गई है। उन्होंने कहा कि अब तक 3,500 लोगों को बचाया गया है। मंत्री ने कहा कि चौड़ी दरार वाली सड़कों की मरम्मत में ज्यादा समय लग सकता है। मंत्री ने कहा कि प्रभावित इलाकों में अस्सी फीसदी टेलिफोन संपर्क को बहाल कर दिया गया और 60 फीसदी बिजली उपलब्धता अब तक सुनिश्चित की जा चुकी है। बाकी कमी को भी जल्द ही दूर कर दिया जाएगा।

प्रभावित किसानों के दावे सुलझाने में अड़ियल रुख न अपनाएं बीमा कंपनियां : अजित पवार

मुंबई (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगर बीमा कंपनियां बेमौसम बारिश से प्रभावित किसानों के वैध दावों को सुलझाने में अड़ियल रुख अपनाती हैं तो ऐसी कंपनियों के अधिकारियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने समेत कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। पवार ने संवाददाताओं से कहा कि बेमौसम बारिश की वजह से राज्य के किसान बेहद परेशान हैं और उनकी कपास, सोयाबीन और अन्य फसलें नष्ट हो गई हैं। उन्होंने कहा कि बीमा कंपनियों को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए क्योंकि जो क्षति हुई है वह स्पष्ट दिख रही है। पवार के पास राज्य के वित्त विभाग की भी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा, 'अगर फसल बीमा कंपनियों के अधिकारी अड़ियल रुख अपनाते हैं तो हम प्राथमिकी दर्ज करने में संकोच

नहीं करेंगे।' मंत्री ने कहा कि वह अधिकारियों से ऐसा कुछ करने को नहीं कह रहे जो नियम विरुद्ध हो। उन्होंने कहा कि जो किसान दावे का पैसा पाने के योग्य हैं उन्हें वह मिलना चाहिए। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने भारी बारिश और बाढ़ से बर्बाद हुई फसल के लिए पिछले सप्ताह मुआवजे के तौर पर 10 हजार करोड़ रुपये को मंजूरी दी थी। जून और अक्टूबर के बीच हुई बारिश और उसके कारण आई बाढ़ से कुल 55 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि पर उगी फसल नष्ट हो गई थी।

प्रदूषण नियंत्रण के लिए जीआरएपी समेत सभी उपाय अपनाए जाएंगे : गोपाल राय

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण को नियंत्रित करने के सभी उपायों को लागू करेगी और जरूरत पड़ने पर ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के तहत भी कदम उठाएगी। जीआरएपी, दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के स्तर के आधार पर वायु प्रदूषण को कम करने के लिए उठाए जाने वाले आपातकालीन उपाय हैं। राय ने केंद्र से राज्यों से बात करने और पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए कदम उठाने का भी आग्रह किया।

वह चंदगी राम अखाड़े में एक कार्यक्रम को संबाधित कर रहे थे, जहां सभी विधायक रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ अभियान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एकत्र हुए थे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, बारिश के कारण दिल्ली में प्रदूषण का स्तर नीचे आ गया था क्योंकि पड़ोसी क्षेत्रों में पराली जलाना बंद कर दिया गया था। हालांकि, मौसम सामान्य होने के बाद

पराली जलाने के मामले बढ़ेंगे। हम दिल्ली में प्रदूषण को कम करने के लिए सभी कदम उठा रहे हैं और लोगों की भागीदारी बढ़ाने के लिए विभिन्न अभियान चला रहे हैं।

मंत्री ने कहा कि वे दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के वैज्ञानिकों और उप जिलाधिकारियों के साथ शुक्रवार को बैठक करेंगे, जिसमें चर्चा की जाएगी कि कैसे मिलकर इसे व्यापक अभियान बनाया जा सकता है? राय ने जोर देकर कहा कि दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, अगर जरूरत पड़ी तो हम जीआरएपी लाएंगे। दिल्ली में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए जो भी करना होगा, हम करेंगे। लेकिन, मैं केंद्र से हाथ जोड़कर प्रार्थना करता हूं कि पराली जलाने पर रोक लगाने की दिशा में काम करें। अन्यथा, दिल्लीवासियों को अनेक प्रयासों के बावजूद पराली जलाने के चलते होने वाले प्रदूषण का सामना करना पड़ेगा।

आमिर खान से संबंधित विज्ञापन को लेकर हिंदुओं में रोष, भाजपा नेता हेगड़े का बयान

बेंगलुरु (एजेंसी)।

अभिनेता आमिर खान द्वारा लोगों को सड़कों पर पटाखे न चलाने की सलाह दिए जाने से संबंधित, टायर कंपनी सीएट लिमिटेड के विज्ञापन पर आपत्ति व्यक्त करते हुए भाजपा सांसद अनंत कुमार हेगड़े ने कहा है कि कंपनी को ''नमाज के नाम पर सड़कों को अवरुद्ध किए जाने और अजान के दौरान मस्जिदों से निकलने वाले शोर'' से संबंधित समस्या का समाधान भी करना चाहिए। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनंत वर्धन गोयनका को लिखे एक पत्र में हेगड़े ने कहा है कि वह ''हिंदुओं में रोष'' उत्पन्न करने वाले हालिया विज्ञापन का संज्ञान लें।

हेगड़े ने पत्र में कहा, ''आपकी कंपनी का हालिया विज्ञापन, जिसमें आमिर खान लोगों को सड़कों पर पटाखे नहीं चलाने की सलाह दे रहे हैं, एक बहुत अच्छा संदेश दे रहा है। सार्वजनिक मुद्दों पर आपकी चिंता के लिए सराहना किए जाने की जरूरत है। इस संबंध में, मैं आपसे सड़कों पर लोगों के सामने आने वाली एक और समस्या का समाधान करने का अनुरोध करता हूं...जिसमें कि शुक्रवार और अन्य महत्वपूर्ण त्योहारों के दिन नमाज के नाम पर मुस्लिमों द्वारा सड़कें जाम कर दी जाती हैं। उन्होंने 14 अक्टूबर को लिखे अपने पत्र में कहा कि यह कई भारतीय शहरों में एक बहुत ही सामान्य दृश्य है जहां मुसलमान व्यस्त सड़कों को अवरुद्ध करते हैं और नमाज अदा करते हैं, तथा उस समय एंबुलेंस और दमकल वाहनों जैसे वाहन भी यातायात में फंस जाते हैं, जिससे गंभीर क्षति होती है।

उत्तर कन्नड़ निर्वाचन क्षेत्र से सांसद हेगड़े ने पत्र में गोयनका से यह भी कहा है कि वह कंपनी के विज्ञापनों में ध्वनि प्रदूषण का मुद्दा भी उठाएं क्योंकि ''हमारे देश में मस्जिदों के ऊपर लगे लाउडस्पीकर से अजान के समय बहुत अधिक शोर होता है।'' उन्होंने कहा, वह ध्वनि अनुमेय सीमा से परे है। शुक्रवार को, इसे कुछ और समय के लिए बढ़ाया जाता है। इससे विभिन्न बीमारियों से पीड़ित लोगों और आराम करने वाले लोगों, विभिन्न प्रतिष्ठानों में काम करने वाले लोगों और कक्षाओं में पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए बड़ी असुविधा पैदा हो रही है। दरअसल, पीड़ितों की यह सूची बहुत लंबी है और यहां केवल कुछ का उल्लेख किया गया है।

बालाकोट बालाकोट... क्या वो लाइन बदल गई? फारूक अब्दुल्ला बोले- इससे क्या मिला, सिर्फ बीजेपी की हुकूमत आई

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला अक्सर अपने बयान की वजह से सुर्खियों में आ जाते हैं। एक बार फिर से फारूक अब्दुल्ला ने बीजेपी पर जबरदस्त तरीके से हमला बोला है। इतना ही नहीं, बीजेपी पर हमला करते हुए उन्होंने बालाकोट एयर स्ट्राइक को लेकर भी सवाल किया। जम्मू दौरे पर आए फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि बालाकोट से हमें क्या मिला सिर्फ भाजपा की सरकार आई। गौरतलब है कि बालाकोट एयर स्ट्राइक 26 फरवरी 2019 को किया गया था। यह एयर स्ट्राइक भारत में जम्मू कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर हुए आत्मघाती हमले के बदले में किया था जिसके बाद से चुनाव से पहले की राजनीति गर्म हो गई थी।

अपने बयान में फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि 'बालाकोट बालाकोट... क्या वो लाइन बदल गई। क्या हमने कोई हिस्सा पाकिस्तान से वापस लिया वो लाइन तो वही खड़ी है। अपना ही जहाज वहां गिराया। क्या मिला, सिर्फ बीजेपी की हुकूमत आई। आज भी यूपी को जीतने के लिए ये लोग नफरत फैला रहे हैं और जम्मू में भी कर रहे हैं।' हाल में ही जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं में वृद्धि देखी गई है। जम्मू कश्मीर में लगातार आतंकी और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हो रहे हैं। इतना ही नहीं, आतंकियों ने वहां आम लोगों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। आतंकियों ने अब तक 11 आम लोगों को अपना निशाना बनाया है।

पहले दिया था यह बयान

इससे पहले नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर को लेकर एक बड़ा बयान दिया था। फारूक अब्दुल्ला ने दो टूक कहते हुए कहा कि कश्मीर कभी पाकिस्तान का हिस्सा नहीं बनेगा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम भारत का हिस्सा है और रहेंगे, भले ही मुझे गोली मार दी जाए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कश्मीर के लोगों को साहसी बनना पड़ेगा और मिलकर हत्यारों से लड़ना होगा। लोकसभा सदस्य अब्दुल्ला ने अपने बयान में कहा कि हमें इन जानवरों से लड़ना होगा। यह (कश्मीर) कभी पाकिस्तान नहीं बनेगा, याद रखना। हम भारत का हिस्सा हैं और हम भारत का हिस्सा रहेंगे, चाहे जो हो जाए। वे मुझे गोली भी मार दें तो भी इसे नहीं बदल सकते। कौर की हत्या पर दुख जताते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि 1990 के दशक में जब कई लोग डर की वजह से घाटी छोड़कर चले गये थे तब सिख समुदाय ने कश्मीर को नहीं छोड़ा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

भारत ने वैक्सीनेशन में रच दिया इतिहास

100 करोड़ वैक्सीनेशन का आंकड़ा पार करने वाला दूसरा देश

नई दिल्ली। कोरोन वायरस के खिलाफ जंग में भारत ने आज बड़ा कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। भारत में टीकाकरण का आंकड़ा आज 100 करोड़ पार कर गया। दुनियाभर में अब तक सिर्फ चीन ने ही 100 करोड़ से ज्यादा टीका लगाया है। मगर 100 करोड़ टीकाकरण का आंकड़ा छूकर भारत चीन के बाद ऐसा कारनामा करने वाला देश बन गया है। अब तक 18 वर्ष से ज्यादा उम्र के 75 फीसदी लोगों को टीके की पहली खुराक दी जा चुकी है। जबकि 31 फीसदी से ज्यादा लोगों का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है। इधर, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने टीकाकरण के लिए पात्र लोगों से बिना देरी टीका लगवाने और भारत की ऐतहासिक टीकाकरण यात्रा में योगदान देने की अपील की। मंडाविया ने कहा कि टीके की 100 करोड़ खुराक लगाने के बाद हम मिशन के तहत सुनिश्चित करेंगे कि जिन्हें पहली खुराक लग चुकी हैं, उन्हें दूसरी खुराक भी लगे ताकि कोविड-19 से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। केंद्र सरकार ने कहा कि जिन गांवों में शत प्रतिशत टीकाकरण हो चुका हैं उन्हें 100 करोड़ खुराक लगाने की उपलब्धि मनाने के लिए इस अभियान में अहम स्वास्थ्य कर्मियों की प्रशंसा में पोस्टर बैनर लगाने चाहिए।

जश्न का हुआ योजना

भारत में टीकाकरण के तहत 100 करोड़ खुराक दिए जाने का जश्न मनाने के लिए कई कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। देश में 100 करोड़ खुराक दिए जाने के अवसर पर मंडाविया लाल किले से गायक कैलाश खेर का गीत और ऑडियो-विजुअल फिल्म जारी करेंगे। मांडविया ने ट्वीट किया कि देश वैक्सीन शतक बनाने के करीब है। इस स्वर्णिम अवसर के सहभागी बनने के लिए देशवासियों से मेरी अपील है कि जिनका टीकाकरण बाकी है वो तत्काल टीका लगवाकर, भारत की इस ऐतिहासिक स्वर्णिम टीकाकरण यात्रा में अपना योगदान दें।

विमानों, पोतों, मेट्रो और रेलवे स्टेशनों पर होगी घोषणा-स्पाइसजेट 100 करोड़ खुराक की उपलब्धि हासिल होने पर गुरुवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर विशेष वर्दी जारी करेगी। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री, नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और स्पाइसजेट के मुख्य प्रबंध निदेशक अजय सिंह मौजूद रहेंगे। मंडाविया ने इससे पहले कहा था कि जब भारत टीके की 100 करोड़ खुराक लगाने की उपलब्धि प्राप्त करेगा तक इसकी घोषणा विमानों, पोतों, मेट्रो और रेलवे स्टेशनों पर की जाएगी। यह उपलब्धि प्राप्त करने की खुशी शहर में केंद्र सरकार के अस्पतालों में भी मनाई जाएगी। बुधवार रात 10.37 बजे तक कोविन पोर्टल से प्राप्त जानकारी के मुताबिक देश में टीके की 99.7 करोड़ खुराक लगाई जा चुकी हैं।

लाल किले पर फहराया गया देश का सबसे बड़ा खादी तिरंगा

कोविड-19 से बचाव के लिए जारी टीकाकरण के तहत दी गई खुराकों की संख्या 100 करोड़ पूरा होने पर देश में सबसे बड़े खादी तिरंगे को गुरुवार को लाल किले में फहराया जाएगा। अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इस तिरंगे की लंबाई 225 फुट और चौड़ाई 150 फुट है और इसका वजन लगभग 1,400 किलोग्राम है। उन्होंने कहा कि यही तिरंगा दो अक्टूबर को गांधी जयंती पर लेह में फहराया गया था।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भारी बारिश और बर्फबारी की चेतावनी, आज से बिगड़ेगा मौसम

जम्मू। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के चलते 22 से 24 अक्तूबर तक कुछ हिस्सों में भारी बारिश और बर्फबारी के आसार हैं। 23 अक्तूबर को मौसम अधिक खराब रहेगा। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने मंडलायुक्त जम्मू, कश्मीर और लद्दाख को एडवाइजरी जारी कर संभावित क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन मजबूत बनाने के लिए कहा है। खराब मौसम में हवाई और सड़क सेवाएं प्रभावित होने की चेतावनी है। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग सहित अन्य हाईवे प्रभावित हो सकते हैं। बुधवार को प्रदेश में मौसम साफ रहा। इस बीच गुलमर्ग न्यूनतम तापमान माइनस 1.4 डिग्री और लेह माइनस 0.7 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडे रहे। मौसम एडवाइजरी के अनुसार 22 अक्तूबर की शाम से जम्मू कश्मीर और लद्दाख में मौसम खराब होने की आशंका है। इसमें जम्मू कश्मीर के कुछ हिस्सों और लद्दाख के कई हिस्सों में बारिश और बर्फबारी होगी। कश्मीर के उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में भारी बर्फबारी होगी। जम्मू संभाग में बिजली चमकने, बारिश के साथ 30-40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। खराब मौसम की सूरत में जम्मू-श्रीनगर, श्रीनगर-लेह, लेह-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ मुगल रोड़ पर यातायात प्रभावित होगा। जम्मू-श्रीनगर और श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग के कई हिस्सों में भूस्खलन और पत्थर गिरने की आशंका रहेगी।

खराब मौसम से बिजली और पानी की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। किसानों को खराब मौसम से पूर्व कृषि और बागवानी की फसलों और पेड़ों की आवश्यक कटाई करने की हिदायत दी गई है। यात्रियों को मौसम पूर्वानुमान जानकारी लेकर ही संभावित क्षेत्रों में यात्रा करने की सलाह दी गई है। श्रीनगर में बीती रात का न्यूनतम तापमान 6.3, पहलगाम में 2.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

डेंगू ने बढ़ाई चिंता, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में हर दिन आ रहे नए मामले

नई दिल्ली। मलेरिया, डेंगू और चिकुनगुनिया के बढ़ते मामलों को लेकर चिंतित डाक्टरों का कहना है कि हाई फीवर के साथ आ रहे मरीजों को कोरोना संक्रमित होने का खतरा है। दरअसल ये मामले जुलाई से नवंबर के बीच में आते हैं जो बढ़कर दिसंबर तक खींच सकता है। राजधानी दिल्ली में भी डेंगू के बढ़ते मामलों को देखते हुए तमाम अस्पतालों में उचित इंतजाम किए गए हैं।

दिल्ली में सोमवार को डेंगू के कारण इस साल की पहली मौत रिकार्ड की गई। वहीं जम्मू कश्मीर के ऊधमपुर में मंगलवार को 6 मामले सामने आए। दूसरी ओर राजस्थान में कोरोना पर लगाम लगने से राहत की सांस ले रही अशोक गहलोत सरकार के सामने अब डेंगू, मलेरिया और अन्य मौसमी बीमारियों ने मुश्किल खड़ी कर दी है। डेंगू के बढ़ते मामलों से चिंतित राज्य सरकार ने स्वास्थ्यकर्मियों के अवकाश रद कर दिए हैं। उनको आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के लिए कहा है।

राजस्थान-सात हजार से अधिक मामले

राजस्थान में तीन नवंबर तक डेंगू मुक्त राजस्थान अभियान शुरू किया गया है। एक जानकारी के अनुसार सूबे में अब तक सात हजार से ज्यादा डेंगू पीड़ित मिल चुके हैं। एक माह में 40 लोगों की मौत की बात सामने आई है। हालांकि, सरकार की तरफ से मरने वालों का कोई अधिकारिक आंकड़ा सार्वजनिक नहीं किया गया है। बताया जाता

है कि अस्पतालों में बेड की कमी के चलते दौसा, भरतपुर, करौली, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जिलों में बच्चों को जमीन पर लिटाकर इलाज किया जा रहा है। इसी बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला कलेक्टरों और चिकित्सा अधिकारियों से संवाद कर बीमारी से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां करने के लिए कहा। चिकित्सा मंत्री डा. रघु शर्मा ने जिलों में रेपिड रेस्पांस टीम और 24 घंटे काम करने वाला कंट्रोल रूम बनाने के निर्देश दिए हैं।

कुछ दिन और बरसेगा दक्षिण-पश्चिम मानसून, 26 अक्टूबर को कहेगा अलविदा

नई दिल्ली। 1975 के बाद दूसरा मौका है जब दक्षिण-पश्चिम मानसून देश में इतनी देर तक रुका है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले सप्ताह 26 अक्टूबर को पूरे देश से यह मानसून विदा हो जाएगा और उत्तर पूर्व मानसून की राह खुलेगी। वहीं मौसम विभाग ने इस सप्ताह के अंत में जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश और बर्फबारी का अनुमान जताया है, जिससे सतही और हवाई यातायात बाधित होने की आशंका है।

देश के कई हिस्सों में बारिश जारी

मौसम विभाग ने बुधवार को बताया कि उत्तर पश्चिम भारत से देरी से विदाई के बाद दक्षिण पश्चिम मानसून अभी देश के कुछ हिस्सों को भिगो रहा है। इस बार दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी छह अक्टूबर से शुरू हुई थी। 1975 के बाद से यह दूसरी सबसे देरी से हुई वापसी है। इससे पहले 2019 में दक्षिण पश्चिम मानसून की वापसी नौ अक्टूबर को शुरू हुई थी। आमतौर पर दक्षिण-पश्चिम मानसून 17 सितंबर से उत्तर पश्चिम भारत से वापसी करने लगता है। मौसम विभाग ने कहा कि 26 अक्टूबर तक दक्षिण-पश्चिम मानसून

की विदाई के साथ ही दक्षिण पूर्व भारत में उत्तर पूर्व मानसून की बारिश शुरू हो जाएगी। उत्तर पूर्व मानसून तमिलनाडु, केरल के कुछ हिस्सों, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और पुडुचेरी में बारिश का कारण बनता है।

केरल में भारी बारिश से 30 से अधिक मौतें-केरल में भारी बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ से 39 लोगों की मौत हो गई और 217 घर पूरी तरह से नष्ट हो गए। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने विधानसभा में बताया कि राज्य के कई इलाकों में भारी बारिश के बाद कम से कम छह लोगों का अब तक पता नहीं चल पाया है और 304 पुनर्वास शिविर खोले गए हैं। बाढ़ पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने और प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता मुहैया कराने के संकल्प के बाद विधानसभा अध्यक्ष एम बी राजेश ने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

बाढ़ से उप्र में भयावह मंजर

पिछले तीन-चार दिन में हुई भारी बारिश से लौटी बाढ़ ने उत्तर प्रदेश के मेरठ, मुरादाबाद, बरेली मंडल में भीषण तबाही मचाई है। उफनाई नदियों के पानी से सैकड़ों गांव घिर चुके हैं, लखीमपुर खीरी में दो नावों पर सवार 27 लोग बह गए, जिसमें आठ लापता हैं। वायुसेना के जवान हेलीकाप्टर की मदद से बचाव कार्य में जुटे हुए हैं।

48 घंटे में बिगड़ गई दिल्ली की हवा, नमी में हुई कमी तो एक्यूआई में आया उछाल

नई दिल्ली। वातावरण की नमी कम होने के साथ ही दिल्ली की हवा अच्छी से खराब हो गई है। 48 घंटे के भीतर वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में 175 अंकों को उछाल आया और वह 46 से 221 पर जा पहुंचा। सफर का पूर्वानुमान है कि बारिश नहीं होने की सूरत में प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ेगा। पांच दिन में यह बेहद खराब से गंभीर स्तर तक पहुंच सकती है। सोमवार की तेज बारिश से दिल्ली की हवा साफ हो गई थी। धूल के महीन कण पीएम10 हवा में पहुंचना बंद हो गए थे। पड़ोसी राज्यों में पराली जलने के मामलों में भी कमी आई थी। इनके मिले-जुले असर से साल में पहली बार हवा की गुणवत्ता अच्छी श्रेणी में चली गई है। सोमवार को सूचकांक 46 दर्ज किया गया था। दूसरे दिन मंगलवार को भी बारिश का असर दिखा और हवा की गुणवत्ता बेहतर रही, लेकिन खिली धूप में बुधवार को हवा में नमी का स्तर 47 फीसदी तक पहुंच गया। इससे धूल के महीन कणों का धरती से निकलना संभव हो गया। दूसरी तरफ पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने के 746 मामले रिकार्ड होने से पीएम2.5 का हिस्सा 12 फीसदी चला गया। इससे वायु गुणवत्ता सूचकांक 221 दर्ज किया गया।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, दो दिन में प्रदूषण स्तर में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। बुधवार को सूचकांक 221 पर पहुंच गया। हवा का यह स्तर खराब श्रेणी में आता है। उधर, सफर का पूर्वानुमान है कि आने वाले दिनों में पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने के मामले बढ़ने का अंदेशा है। हवा की दिशा उत्तर पश्चिम होने से पराली से निकलने वाले पीएम2.5 की मात्रा भी बढ़ेगी। अगर बारिश नहीं हुई तो अगले दो दिन में हवा खराब स्तर में पहुंच जाएगी।

सीबीआई निदेशक की नियुक्ति पर सभी को प्रभावित करने वाला आदेश नहीं दे सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वीरवार को केंद्र से एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) की इस दलील पर जवाब देने को कहा कि सीबीआई निदेशक पद के लिए अस्थायी व्यवस्था नहीं होनी चाहिए और मौजूदा निदेशक को उनके कार्यकाल की समाप्ति के बाद एक उत्तराधिकारी की नियुक्ति होने तक बने रहने देने की अनुमति दी जाए।

न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति बी आर गवई की पीठ ने अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल से एनजीओ कॉमन कॉज की दलील पर अदालत को जवाब देने को कहा। शीर्ष अदालत उस एनजीओ की सुनवाई कर रही थी जिसने वर्तमान प्रमुख की नियुक्ति से पहले सीबीआई के नियमित निदेशक की नियुक्ति के संबंध में याचिका दायर की थी। पीठ ने कहा कि विषय अनावश्यक हो गया है क्योंकि नियुक्ति पहले ही हो चुकी है। अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल ने पीठ को बताया कि सीबीआई निदेशक के पद पर नियुक्ति 25 मई, 2021 को हुई थी, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश भी शामिल थे। वहीं, एनजीओ की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि शीर्ष अदालत के आदेश के बावजूद बार-बार ऐसा हो रहा है। भूषण ने कहा कि याचिका में उनकी पहली मांग सीबीआई निदेशक के पद पर नियुक्ति की थी जो हो चुकी है। उन्होंने कहा कि दूसरी प्रार्थना में केंद्र को यह निर्देश देने की मांग की गई है कि सीबीआई निदेशक के चयन की प्रक्रिया को उस तारीख से कम से कम एक से दो महीने पहले ही पूरा कर लिया जाए जिस दिन पद खाली होने वाला है। उन्होंने कहा कि प्रकाश सिंह मामले (राज्यों के डीजीपी से संबंधित) में शीर्ष अदालत के स्पष्ट आदेश के बावजूद, हमें एक ही मुद्दे पर बार-बार आगे बढ़ना होगा।

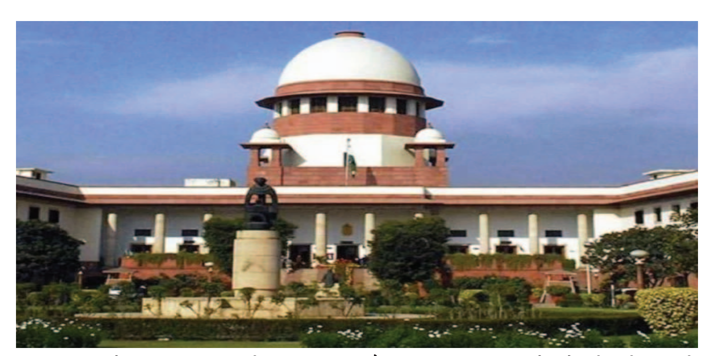

पर्यावरण को बचा पाएगा एनजीटी का स्वत: संज्ञान का अधिकार?

दिल्ली। भारतीय सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि भारत में पर्यावरण की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार अधिकरण एनजीटी पर्यावरण को होने वाले नुकसान खुद संज्ञान ले सकता है, और वह सिर्फ इसलिए नहीं बैठा रह सकता कि किसी ने शिकायत नहीं की है.सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के पास एनजीटी एक्ट के तहत स्वत÷ संज्ञान लेने का अधिकार है. कोर्ट ने यह भी कहा कि एनजीटी के लिए जो भूमिका निर्धारित है, उसमें वह ऐसा नहीं कर सकता कि जब तक कोई उसका दरवाजा न खटखटाए, वह मूकदर्शक बना देखता रहे. एनजीटी के स्वत÷ संज्ञान लेने के मसले पर आई अपीलों पर फैसला देते हुए एएम खानविलकर, ऋषिकेश रॉय और सीटी रविकुमार ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट फैसला दे चुका है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार के तहत स्वस्थ पर्यावरण का अधिकार भी आता है और एनजीटी को संविधान के मामले में अनुच्छेद 21 को लागू कराने के लिए संवैधानिक आदेश के तहत स्थापित किया गया है. एनजीटी भारत की पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी विशेष न्यायिक संस्था है. पर्यावरण से जुड़े मामलों के निपटारे के लिए इसे साल 2010 में शुरू किया गया था. इसका मुख्यालय दिल्ली में है. नियमों के मुताबिक इसके पास आने वाले पर्यावरण संबंधी हर मुद्दे को छह महीने में निपटाना जरूरी होता है. एनजीटी मजबूत हुआ सुप्रीम कोर्ट ने इस तर्क को खारिज कर दिया है कि एनजीटी एक ट्राइब्यूनल है और कानून का अंग है और इस तरह यह अपनी मर्जी से काम नहीं कर सकता. इसका मतलब है कि इसके पास न्यायिक समीक्षा की शक्ति नहीं है और न ही यह मामलों का स्वत÷ संज्ञान ले सकता है. जानकार मानते हैं कि सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश से एनजीटी की शक्तियां बढ़ी हैं. भारत में पानी से जुड़ी समस्याओं बारे में काम करने वाले मंथन अध्ययन केंद्र के संस्थापक श्रीपद धर्माधिकारी कहते हैं, ÷एनजीटी कोर्ट न होकर एक अधिकरण है, जो सिर्फ कानूनी तर्कों के बजाए किसी पर्यावरणीय मामले पर स्थान और स्थिति की गंभीरता के हिसाब से विचार कर सकता है. ऐसे में स्वत÷ संज्ञान लेने के अधिकार से बहुत फायदा होगा÷ नियुक्तियों में पारदर्शिता जरूरी ज्यादातर जानकार मानते हैं कि एनजीटी को मिली शक्तियों से तब तक कोई फायदा नहीं होगा, जब तक एनजीटी के सदस्यों के चयन में निष्पक्षता नहीं आती. नियुक्तियों को पारदर्शी बनाना जरूरी है. जानकार यह भी कहते हैं कि एनजीटी में चयन की प्रक्रिया को राजनीतिक दबावों से मुक्त बनाने की जरूरत है. इससे आधी समस्याएं खुद-ब-खुद दूर हो जाएंगी. साथ ही पेशेवर और विशेषज्ञ लोगों को भी इसमें जगह मिलने लगेगी. श्रीपद धर्माधिकारी भी भविष्य में एनजीटी की भूमिका को लेकर आशावादी हैं. एनजीटी की उपयोगिता का जिक्र करते हुए वह इसके थर्मल पावर प्लांट्स के प्रदूषण पर नियंत्रण, बांधों पर रोक, गोवा के मोपा एयरपोर्ट जैसे फैसलों का उल्लेख करते हैं. हालांकि वह भी अधिकरण में खाली पड़े पदों पर चिंता जताते हैं. उनका कहना है, ÷समय पर नियुक्तियां होनी चाहिए. एनजीटी को सिर्फ सरकारी विशेषज्ञों से बचने की जरूरत भी है. ज्यादा अच्छा होगा कि एनजीटी में सभी विशेषज्ञ नौकरशाही से ही न नियुक्त किए जाएं बल्कि इसमें पर्यावरण से जुड़े कुछ निजी क्षेत्र और एनजीओ के लोगों को भी जगह दी जाए÷ ये भी पढ़िए÷ जब धरती की छाती फटती है आम जनता का ध्यान रखना जरूरी लेकिन नेशनल सॉलिड वेस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के संस्थापक और अध्यक्ष डॉ अमिय कुमार साहू वर्तमान एनजीटी को पर्यावरण का संरक्षण कर पाने के मामले में पर्याप्त नहीं मानते. वह कहते हैं, ÷एनजीटी के सदस्यों में अब भी विशेषज्ञता की कमी है. इसके चलते कई बार फैसले अनुभवहीन होते हैं. एक ऐसे ही फैसले में मैसूर में हर घर में कचरे का इस्तेमाल कर कंपोस्टिंग का आदेश दे दिया गया. ऐसा कुछ भी कर पाना साधारण लोगों के लिए असंभव होता है. हर कोई कंपोस्टिंग को नहीं समझ सकता. इसलिए एनजीटी में ऐसे विशेषज्ञों की जरूरत है, जो आम जनता के हिसाब से सुझाव दे सकें÷ श्रीपद धर्माधिकारी यह भी कहते हैं कि राजनीतिक दबाव हमेशा रहते हैं लेकिन एनजीटी के लिए इस तरह नियम बनाने की जरूरत है कि इसके अधिकारी किसी भी दबाव में न आएं. जानकार यह भी मानते हैं कि पहले कई बार ऐसा होता रहा है कि एनजीटी बिल्कुल आखिरी समय पर पहुंचता था, जब पर्यावरण को पर्याप्त नुकसान हो चुका होता था. आशा है कि अब स्वत÷ संज्ञान लेने का अधिकार मिलने के बाद एनजीटी ऐसे कई नुकसान को रोक पाने में सफल रहेगा..

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com